राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
का
वार्षिक प्रतिवेदन
1999-2000

नई दिल्ली 110058
पुस्तकालय

योऽनूचानः स नो महान्।

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

वार्षिक प्रतिवेदन

१९९९-२०००

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
५६-५७, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी
नई दिल्ली-११००५८

प्रकाशकः—

निदेशक

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

५६-५७, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी
नई दिल्ली-११००५८

अक्षरयोजक एवं मुद्रक—

अमर प्रिंटिंग प्रैस

८/२५ विजय नगर, दिल्ली-९

विषय-सूची

१. प्रस्तावना ५
१.१ भूमिका और कार्य
१.२ कार्यक्रम और क्रियाकलाप
१.३ अध्यापन
१.४ अध्यापक-प्रशिक्षण
१.५ शोध
१.६ प्रकाशन

२. संगठन और स्थापना ७

३. शैक्षणिक विभाग १०
३.१ शैक्षणिक शाखा
३.२ शोध और प्रकाशन शाखा
३.३ पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

४. परीक्षा विभाग १५

५. प्रशासन विभाग १६

६. वित्त विभाग १७

७. योजना अनुभाग १८

८. विद्यापीठ २०
८.१ श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी
८.२ गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद
८.३ श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू
८.४ गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरानाटुकरा (त्रिचूर)
८.५ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जयपुर
८.६ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, लखनऊ
८.७ राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, शृंगेरी
८.८ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, गरली, हिमाचल प्रदेश

९. वर्ष की प्रमुख गतिविधियां
शैक्षणिक गतिविधियां ३३-४३

९.१. अखिल भारतीय शिक्षक सम्मेलन

९.२. भारत के १०० प्रतिष्ठित विद्वानो को विद्वत् सम्मान

९.३. भारत सरकार द्वारा संस्कृत विकास योजना में पांच प्रस्तावों की स्वीकृति

९.४. अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा

९.५. संस्कृत दिवस समारोह

९.६. स्थापना दिवस समारोह

प्रशासनिक एवं कल्याण गतिविधियां

अ- सभी शिक्षकों को पंचम वेतन आयोग के वेतन का बकाया राशि का भुगतान
व- सभी विद्यापीठों में कम्पूटरीकरण

परिशिष्ट— ४४-६९
(क) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की साधारणसभा के सदस्यों की सूची
(ख) संस्थान की शासी परिषद् के सदस्यों की सूची
(ग) सम्बद्ध संस्थाएँ
(घ) संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें
(ङ) संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय
(च) १९९९-२००० वर्षीय प्राप्तियां व भुगतान का विवरण

१. प्रस्तावना

१.१ भूमिका और कार्य

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की स्थापना देश भर में संस्कृत की प्रोन्नति एवं विकास के लिए सन् १९७० में हुई तथा संस्था पंजीकरण अधिनियम १८६० (अधिनियम XXI) के अन्तर्गत इसका पंजीकरण किया गया। इसका वित्तीय भार पूर्णतया भारत सरकार वहन करती है। संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार एवं विकास के लिए यह एक शीर्षस्थ संस्था के रूप में कार्य कर रहा है। संस्थान संस्कृत-अध्ययन के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू करने में **मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार** की सहायता करता है। संस्कृत भाषा और शिक्षण के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार और विकास के लिए सन् १९५६ में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा गठित संस्कृत आयोग की संस्तुतियों के प्रभावशाली कार्यान्वयन के लिए यह एक प्रमुख संस्था के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है।

संस्था के ज्ञापन (मेमोरेण्डम ऑफ एसोसियेशन) से परिलक्षित होता है कि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का प्रमुख उद्देश्य संस्कृत विद्या और शोध का प्रचार-प्रसार, विकास तथा प्रोत्साहन करना है और संस्थापित अथवा अधिगृहीत सभी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों के प्रबन्ध के लिए केन्द्रीय प्रशासकीय तथा समन्वय करने वाली संस्था के रूप में कार्य करना है।

१.२ कार्यक्रम और क्रियाकलाप

उपर्युक्त उद्देश्य की पूर्ति के लिए संस्थान निम्नलिखित कार्यक्रमों एवं क्रियाकलापों का संचालन करता है—

— विभिन्न राज्यों में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों की स्थापना।

— उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक, पूर्व स्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं अनुसंधान स्तर पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत के अध्यापन-कार्य को संचालित करना।

— स्नातक स्तर पर अध्यापकों के प्रशिक्षण (शिक्षा शास्त्री) का संचालन।

— संस्कृत वाङ्मय के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य का संचालन और समन्वयन।

— पारस्परिक अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं को प्रायोजित करने में अन्य संस्थाओं के साथ सहयोग स्थापित करना।

— संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों और महत्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन व प्रकाशन।

१.३ अध्यापन

संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठों में प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक का अध्यापन-कार्य संस्थान द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर किया जाता है। स्वैच्छिक संगठनों द्वारा संचालित संस्थान से सम्बद्ध कुछ अन्य संस्कृत संस्थायें भी इस पाठ्यक्रम के

आधार पर अध्यापन करती हैं । संस्कृत शिक्षण की गैर परम्परागत पद्धति से आने वाले छात्रों के सौविध्य के लिए संस्थान के सभी विद्यापीठों में + २ स्तर का एक द्विवर्षीय प्राक्शास्त्री पाठ्यक्रम चलाया जाता है । पुरी और जम्मू विद्यापीठों में प्रथमा (कक्षा ६,७ और ८) से लेकर पूर्वमध्यमा (कक्षा ९-१०) और उत्तरमध्यमा (कक्षा ११-१२) तक विद्यालयस्तरीय पाठ्यक्रम भी चलाया जाता है ।

वर्तमान में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान आठ केन्द्रीय, संस्कृत विद्यापीठों का संचालन कर रहा है ।

१.४ अध्यापक-प्रशिक्षण

सभी केन्द्रीय विद्यापीठों में एक शैक्षिक सत्र की अवधि का अध्यापकों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाया जाता है जो प्रयोगात्मक शिक्षण पर बल देता है । इस पाठ्यक्रम में सफल होने वाले विद्यार्थियों को शिक्षाशास्त्री की उपाधि दी जाती है जो बी.एड. के समकक्ष होती है ।

१.५ शोध

गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ इलाहाबाद, संस्कृत के कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में शोध के लिए पूर्ण रूप से प्रवृत्त है । अन्य सभी विद्यापीठों में भी शोधछात्रों की सुविधा के लिए उनके नामांकन की व्यवस्था है । अनुसंधान कार्य पूरा करने के बाद उन्हें संस्थान द्वारा विद्यावारिधि की उपाधि दी जाती है जो पी-एच्. डी. के समकक्ष है ।

१.६ प्रकाशन

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से दो अनुसंधान पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जाता है:-संस्कृत-विमर्श और गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ शोध-पत्रिका । संस्कृत-विमर्श का प्रकाशन मुख्यालय द्वारा किया जाता है । दूसरी पत्रिका का प्रकाशन गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद से होता है ।

२. संगठन और स्थापना

साधारण सभा संस्थान की नीतियों का निर्धारण करती है जिसमें २२ सदस्य हैं । राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की साधारण सभा के सदस्यों की सूची संलग्नक 'क' में दी गयी है । शासी परिषद् शीर्षस्थ शासी निकाय है, जिसमें अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के अतिरिक्त छः सदस्य हैं । साधारण सभा द्वारा स्वीकृत नीतियों का क्रियान्वयन शासी परिषद् द्वारा किया जाता है । वर्तमान शासी परिषद् का गठन संलग्नक 'ख' पर संलग्न है ।

शासी परिषद् के कार्यों के सम्पादन में निम्नलिखित समितियां/परिषद् सहायता करती हैं—

१. अर्थ समिति

२. विद्या परिषद्

३. प्रकाशन समिति

४. शोध समिति

५. परीक्षा मण्डल

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान चार विभागों के द्वारा कार्य करता है:—

१. शैक्षणिक विभाग

२. परीक्षा विभाग

३. प्रशासन विभाग

४. वित्त विभाग

शैक्षणिक विभाग की तीन शाखाएँ हैं, जिनके नाम हैं:—

१. शैक्षणिक शाखा

२. शोध और प्रकाशन शाखा

३. पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

इनमें से प्रत्येक शाखा का प्रधान अधिकारी एक एक उप-निदेशक होता है । ये सभी अधिकारी संस्थान के निदेशक की सहायता करते हैं जो संस्थान का सर्वोच्च कार्यपालक अधिकारी होता है और साधारण सभा एवं शासी परिषद् द्वारा स्वीकृत नीतियों और कार्यक्रमों के संपादन के लिए उत्तरदायी होता है । संस्थान का निदेशक भारत सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है ।

२.१ शैक्षणिक विभाग

इसकी तीन शाखाएँ हैं—

२.१.१ शैक्षणिक शाखा

यह शाखा मुख्यत: शैक्षिक स्तर के निर्धारण, विभिन्न पाठ्यक्रमों के निर्माण तथा शैक्षणिक कार्यक्रमों के निर्धारण के लिए उत्तरदायी है । इसके अतिरिक्त यह शाखा संस्कृत संस्थाओं को सम्बद्धता प्रदान करने तथा मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने का कार्य भी करती है ।

२.१.२ अनुसंधान एवं प्रकाशन शाखा

यह शाखा संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठों के प्रकाशन और अनुसंधान कार्यों के समन्वय और कार्यान्वयन से सम्बद्ध है । यह संस्थान के अनुसंधान एवं प्रकाशन कार्यक्रमों तथा परियोजनाओं का कार्यान्वयन भी करती है ।

२.१.३ पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

यह शाखा पत्राचार पाठ्यक्रम के सुचारु रूप से संचालन के लिए उत्तरदायी है । यह पाठ्यक्रम दो स्तर पर संचालित है—

(क) संस्कृत का प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष (हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम)

(ख) संस्कृत का प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष (हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम)

२.२ परीक्षा विभाग

परीक्षा विभाग निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए वार्षिक और पूरक परीक्षाओं का आयोजन करता है—

प्रथमा	(कक्षा VIII)
पूर्वमध्यमा	(कक्षा X)
उत्तरमध्यमा	(कक्षा XII)
प्राक्शास्त्री	(कक्षा XII)
शास्त्री	(बी० ए०)
आचार्य	(एम० ए०)
शिक्षाशास्त्री	(बी० एड्०)

इसके अतिरिक्त शिक्षाशास्त्री में प्रवेश के लिए प्रतियोगी प्रवेश-परीक्षा पूर्व-शिक्षाशास्त्री परीक्षा (पी.एस.एस.टी.) का आयोजन भी किया जाता है ।

यह विभाग शोध-उपाधियां प्रदान करने के लिए केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों और सम्बद्ध संस्थाओं के विद्यार्थियों के शोध-प्रबंधों का मूल्यांकन एवं उनकी मौखिक परीक्षा की भी व्यवस्था करता है ।

२.३ प्रशासन विभाग

यह विभाग संस्थान और उसके अंगीभूत विद्यापीठों के सामान्य प्रशासनिक कार्यों की देखभाल करता है । नियुक्तियों, पदस्थापन, स्थानान्तरण तथा अन्य स्थापना संबंधी कार्यों की योजना बनाना और विद्यापीठों पर नियन्त्रण रखना इस विभाग का प्रमुख दायित्व है ।

२.४ वित्त विभाग

इस विभाग का कार्य आय-व्यय का विवरण तैयार करना, अनुदान की प्राप्ति तथा उसका वितरण, वित्तीय व्यवस्था और वार्षिक लेखा-जोखा तैयार करना है । यह भविष्य निधि का भी प्रबन्ध करता है और शिक्षा मन्त्रालय की योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति की राशि का भी वितरण करता है ।

विद्यापीठ

निम्नलिखित केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठ हैं—

क्रम सं०	विद्यापीठ का नाम	स्थान
१.	गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	इलाहाबाद
२.	श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	पुरी
३.	श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	जम्मू
४.	गुरूवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	त्रिचूर
५.	केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	जयपुर
६.	केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	लखनऊ
७.	श्री राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	शृंगेरी (कर्नाटक)
८.	केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	गरली (हिमाचल प्रदेश)

ये विद्यापीठ निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए अध्यापन कार्य करते हैं:—

क्रम सं०	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
१.	प्रथमा	मिडिल
२.	पूर्वमध्यमा	सेकेण्डरी
३.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	सीनियर सेकेण्डरी
४.	शास्त्री	बी.ए.
५.	आचार्य	एम.ए.
६.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
७.	शिक्षाचार्य	एम.एड.
८.	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.

प्रथमा से उत्तरमध्यमा तक का पाठ्यक्रम विद्यालय स्तर का है, जिसका संचालन केवल पुरी और जम्मू विद्यापीठ में होता है । प्राक्शास्त्री यद्यपि विद्यालय स्तर का पाठ्यक्रम है, लेकिन बफर कोर्स होने के कारण इसे सभी विद्यापीठों में चलाया जाता है ।

(ग) प्रवेश

संस्कृत के विभिन्न परीक्षा-निकायों की परीक्षाओं की समकक्षता को ध्यान रखते हुए संस्थान के विद्यापीठों में छात्रों को विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश दिया जाता है। वर्ष १९९९-२००० के दौरान केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है—

क्रम सं०	विद्यापीठ	प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या	महिला छात्र	अनुसूचित जाति/जनजाति
१.	इलाहाबाद	२५	१०	—
२.	पुरी	५६४	२८०	१४
३.	जम्मू	३१०	२५	१३
४.	गुरुवायूर	२१४	११५	३९
५.	जयपुर	३५५	३०	२९
६.	लखनऊ	१७५	२७	२३
७.	शृंगेरी	८०	७	८
८.	गरली	१४८	४८	१२

(घ) छात्रावास-सुविधा

वर्ष १९९९-२००० में विभिन्न केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के छात्रों को छात्रावास सुविधा प्रदान की गयी जिनकी संख्या निम्नलिखित है:—

क्रम सं०	विद्यापीठ	विद्यार्थियों की संख्या
१.	इलाहाबाद	—
२.	पुरी	१२४
३.	जम्मू	४०
४.	गुरुवायूर	—
५.	जयपुर	३०
६.	लखनऊ	५२
७.	शृंगेरी	१०
८.	गरली	—

(ङ) संस्थाओं की सम्बद्धता

संस्थान का प्रारम्भ कुछ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों से हुआ था । बाद में कुछ स्वतन्त्र संस्थाओं को भी इससे सम्बद्ध कर लिया गया । पिछले कुछ वर्षों से सम्बद्ध संस्थाओं की संख्या में पर्याप्त वृद्धि हुई है । संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं की सूची संलग्नक "ग" में दी गयी है । इन स्वतन्त्र संस्कृत संस्थाओं को प्रथमा से आचार्य एवं विद्यावारिधि के पाठ्यक्रमों के लिए सम्बद्धता दी गई है ।

३.२ शोध और प्रकाशन शाखा

शोध और प्रकाशन शाखा का प्रमुख एक उप-निदेशक होता है । प्रस्तुत वर्ष में इस शाखा में निम्नलिखित कर्मचारी कार्यरत हैं—

१. एक शोध सहायक

२. दो सहायक

३. एक उच्च श्रेणी लिपिक

४. दो निम्न श्रेणी लिपिक

५. एक पुस्तकालय सहायक

यह शाखा मुख्यालय और केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों के शोध और प्रकाशन कार्यों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए उत्तरदायी है । इसके अतिरिक्त मानव संसाधन विकास मंत्रालय से स्थानान्तरित निम्नलिखित योजनाओं को क्रियान्वित करने का कार्य भी किया जाता है—

१. संस्कृत-साहित्य के साथ-साथ संस्कृत समाचारपत्रों और पत्रिकाओं का प्रकाशन ।

२. संस्कृत-ग्रन्थों का क्रय और दुर्लभ ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण ।

३. संस्कृत की पाण्डुलिपियों का क्रय और प्रकाशन ।

प्रस्तुत वर्ष में अनुदान समिति की एक बैठक हुई जिसमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत अनेक प्रस्ताव स्वीकृत किए गए ।

३.३. पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा की स्थापना शैक्षणिक विभाग के अन्तर्गत की गयी थी । यह शाखा अनेक वर्षों से अधिक समय से पत्राचार के माध्यम से हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रारम्भिक स्तर पर संस्कृत के शिक्षण का कार्य कर रही है । यह द्विवर्षीय पाठ्क्रम दो स्तरों में विभाजित है, जिसमें से प्रत्येक में २१ पाठ हैं ।

वर्ष १९९९ के अन्तर्गत (जनवरी से दिसम्बर १९९९ तक) इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या का विवरण इस प्रकार है—

प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम	विद्यार्थियों की संख्या
(क) हिन्दी माध्यम	७००
(ख) अंग्रेजी माध्यम	५००
द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम	
(क) हिन्दी माध्यम	३००
(ख) अंग्रेजी माध्यम	२५०
कुल योग	१७५०

यह पाठ्यक्रम भारतीय छात्र के लिए मात्र ५०-०० रुपये वार्षिक और विदेशी छात्र के लिए २० अमेरिकी डालर शुल्क लेकर चलाया जाता है ।

इन पाठ्यक्रमों को और अधिक लोकप्रिय बनाने और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को यह सुविधा प्रदान करने के लिए संस्थान ने विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के माध्यम से संस्कृत के व्यापक प्रचार के लिए बहुत से कदम उठाए हैं । इन प्रयासों के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों के अतिरिक्त अनेक उच्च पदाधिकारियों एवं विभिन्न आयु-वर्ग के लोगों ने पत्राचार पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया है और संस्कृत सीख रहे हैं ।

जो शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, उन्हें **संस्कृत-प्रवेश** नामक प्रमाण पत्र दिया जाता है ।

४. परीक्षा विभाग

परीक्षा विभाग के प्रमुख उपनियन्त्रक (परीक्षा) हैं, जिनके नीचे दो और अधिकारी सहायक निदेशक और अनुभाग अधिकारी हैं । संस्थान की परीक्षाओं का आयोजन इसका मुख्य दायित्व है । संस्थान के द्वारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री तथा विद्यावारिधि की परीक्षाओं का संचालन किया जाता है । इन परीक्षाओं में अंगीभूत विद्यापीठों तथा सम्बद्ध संस्थाओं दोनों के परीक्षार्थी परीक्षा में बैठते हैं । ये परीक्षाएं विद्यापरिषद् द्वारा निर्धारित मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अनुरूप बनाए गए पाठ्यक्रमों के अनुसार संचालित की जाती हैं ।

वर्ष १९९९-२००० में परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार है—

क्रम सं०	कक्षा	परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण	प्रतिशत
१.	प्रथमा-तृतीय वर्ष	२२५	२१५	९५.५६%
२.	पूर्वमध्यमा प्रथम वर्ष	१३९५	१३३८	९५.९१%
३.	पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष	९४५	८६०	९२%
४.	उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष	३४१	३३२	९७.३६%
५.	उत्तरमध्यमा-द्वितीय वर्ष	२४३	२३२	९५.४७%
६.	प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	१०५१	१०३५	९८.४७%
७.	प्राक्शास्त्री-द्वितीय वर्ष	७२८	६८५	९५%
८.	शास्त्री प्रथम वर्ष	११७६	१०७४	९१.५७%
९.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	८१२	६६४	८१.७७%
१०.	शास्त्री तृतीय वर्ष	६२४	५९५	९५.३५%
११.	आचार्य प्रथम वर्ष	१०३	८८५	९८%
१२.	आचार्य द्वितीय वर्ष	५९८	५४०	९०.३०%
१३.	शिक्षाशास्त्री	३४२	३४०	९९.४१%
	कुल—	९३८३	८७९५	९३.७३%

वर्ष १९९९-२००० में विभिन्न केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों में शिक्षाशास्त्री कक्षा में प्रवेश के लिए पूर्व-शिक्षाशास्त्री परीक्षा आयोजित की गयी । इसके अतिरिक्त ३१ छात्रों को वर्ष १९९९-२००० में विद्यावारिधि उपाधि प्रदान की गई ।

५. प्रशासन विभाग

इस विभाग का प्रमुख उप-निदेशक होता है । प्रस्तुत वर्ष में निम्नलिखित अधिकारी/कर्मचारी इस विभाग में कार्य कर रहे हैं—

१. एक अनुभाग अधिकारी

२. दो सहायक

३. एक उच्च श्रेणी लिपिक

४. पाँच निम्न श्रेणी लिपिक

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में प्रशासन विभाग नियमानुसार कार्यालय को व्यवस्थित ढंग से चलाने का कार्य करता है । यह संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठों को अधिक् प्रभावी और कार्यकुशल बनाने के लिए आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करता है । यह विभाग प्रमुख रूप से सामान्य प्रशासन, स्थापना संबंधी मामलों, सेवा और आपूर्ति, भूमि और भवन की प्राप्ति, नए केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों की स्थापना, संस्थान की साधारण सभा एवं शासी परिषद् की बैठकों का संचालन आदि करता है ।

जिन विद्यापीठों के पास अपना भवन नहीं है, उनके लिए जमीन प्राप्त करने और उनके लिए भवन बनाने की दिशा में प्रयास किए गए हैं । जम्मू, जयपुर, लखनऊ, पुरी, एवं शृंगेरी विद्यापीठों के भवन निर्माण की प्रक्रिया चल रही है ।

चार अन्य विद्यापीठों, दो बम्बई (महाराष्ट्र) में, एक भोपाल (मध्यप्रदेश) में और एक मुजफ्फरपुर (बिहार) में, की स्थापना का मामला मंत्रालय में विचाराधीन है ।

६. वित्त विभाग

इस विभाग का प्रमुख अधिकारी उपनिदेशक है । इसमें एक लेखाधिकारी, एक सहायक, तीन उच्च श्रेणी लिपिक तथा दो निम्न श्रेणी लिपिक हैं ।

बजट (१९९९-२०००)

वर्ष १९९८-९९ के बचे हुए ४६.१२ लाख रुपये को वित्तीय वर्ष १९९९-२००० में समाविष्ट किया गया । मन्त्रालय के द्वारा इस वर्ष कुल मिलाकर २४०२.२८ लाख रुपये की राशि (पूर्व वर्ष की अवशिष्ट राशि सहित) स्वीकृत की गई । इस राशि को अंगीभूत इकाइयों में निम्नलिखित प्रकार से वितरित किया गया है:— (रूपये का अंक लाखों में)

इकाई		योजनागत	योजनेतर	कुलयोग
१.	मुख्यालय	७१४.६८	७१८.४२	१४३३.१०
२.	पुरी विद्यापीठ	—	१८०.०२	१८०.०२
३.	जम्मू विद्यापीठ	५.३२	१६०.२९	१६५.६१
४.	इलाहाबाद विद्यापीठ	१.१७	११६.३६	११७.५३
५.	गुरुवायूर विद्यापीठ	—	११७.१०	११७.१०
६.	जयपुर विद्यापीठ	—	११२.३०	११२.३०
७.	लखनऊ विद्यापीठ	१००.००	९७.७९	१९७.७९
८.	श्रृंगेरी विद्यापीठ	४९.४६	—	४९.४६
९.	गरली विद्यापीठ	२९.३७	—	२९.३७
	कुल योग	९००.००	१५०२.२८	२४०२.२८

यह राशि वेतन, भत्ते, छात्रवृत्तियां प्रसिद्ध संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं अन्य रख रखाव की मदों पर खर्च की गई । वित्तीय वर्ष के अन्त में १८६.५० लाख रुपये (योजनागत २१.३२ लाख रुपये तथा योजनेतर १६५.१८ लाख रुपये) की धनराशि व्यय न होने के कारण अवशिष्ट रही ।

लेखा

अंगीभूत विद्यापीठों का लेखा सम्बद्ध महालेखाकार द्वारा विधिवत् परीक्षित एवं प्रमाणित किया गया । वर्ष १९९९-२००० का समेकित लेखा दिनांक ९-१०-२००० से ११-१२-२००० तक परीक्षित किया गया । समेकित प्राप्ति एवं भुगतान लेखा का विवरण संलग्नक "च" में दिया गया है ।

भविष्य निधि खातों का रख-रखाव

यह विभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन और भविष्य निधि वालों का रख-रखाव करता है । वित्तीय वर्ष के अंत में प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को उसके वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया गया ।

लेखा परीक्षा आपत्तियों का निराकरण

वर्ष के दौरान लेखा परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए । इसके लिए सभी विद्यापीठों को यह निर्देश दिया गया कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें । इसके अनुपालन में लेखा परीक्षाधिकारियों को उत्तर भेजे गए । इस प्रकार इस वर्ष में बहुत सी लेखा-परीक्षा-आपत्तियों को निपटाया गया ।

७. योजना अनुभाग

संस्कृत भाषा एवं साहित्य के विकास और प्रचार-प्रसार के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा स्थानान्तरित अनेक योजनाओं को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान क्रियान्वित कर रहा है । जैसे:—

(i) स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चुने हुए संस्कृत संस्थाओं को संस्कृत अध्यापकों के वेतन, विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय, तथा विद्यालय के भवन निर्माण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है । वर्ष में इस योजना के अन्तर्गत ३७५ लाख रुपये की धनराशि खर्च की गई ।

(ii) आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में २१ संस्थाएं चल रही हैं । इस योजना के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त संस्थाओं को आवर्ती मदों पर ९५% तथा अनावर्ती मदों पर ७५ % अनुदान दिया जाता है । इस वर्ष योजना में २०५.०७ लाख तथा योजनेतर में २५३.७१ लाख रुपये की धनराशि संस्थान के द्वारा इन संस्थाओं को दी गई ।

(iii) शास्त्र चूड़ामणि योजना

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श संस्कृत पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है ।

इस योजना को आरंभ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके ।

योजना के अनुसार परम्परागत संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संगठनों में की जाती है । इस योजना के अन्तर्गत भारत सरकार ने ३० लाख रुपये की राशि योजना मद में स्वीकृत की है । प्रत्येक विद्वान् को २५०० रुपये (अप्रैल १९९८ से) प्रतिमाह प्रथमत: दो वर्ष के लिए दिये जाते हैं । अनुदान-समिति की संस्तुति पर एक वर्ष के लिए इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है ।

(iv) व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

इस योजना के अन्तर्गत व्यावसायिक विषयों जैसे ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पेलियोग्राफी, कैटलागिंग, पाण्डुलिपि-विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि में कार्यगोष्ठियों के आयोजन तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए चुने हुए संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है ।

प्रस्तुत वर्ष में भारत सरकार के द्वारा इस योजना के अन्तर्गत २ लाख रुपये स्वीकृत किए गये हैं ।

(v) संस्कृत शब्दकोश परियोजना

ऐतिहासिक सिद्धांतों के आधार पर १५०० ई. पू से १९०० ई. तक की अवधि का एक संस्कृत शब्द कोश डेकन कालेज, पूना के द्वारा तैयार किया जा रहा है । यह परियोजना वर्ष १९४८ से आरम्भ की गई थी । डेकन कालेज पूना का संस्कृत शब्दकोश परियोजना विभाग प्रधान संपादक की अध्यक्षता में कार्य कर रहा है । अब तक इस शब्दकोश के छ: खण्ड पांच खण्ड, प्रत्येक तीन

भाग व छठा खण्ड एक भाग और ३०४८ पृष्ठ मुद्रित हो चुके हैं । कार्य प्रगति पर है । यह परियोजना प्रमुख रूप से भारत सरकार के द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त है तथा महाराष्ट्र सरकार के द्वारा भी कुछ वित्तीय सहायता दी जाती है । वर्ष १९९९-२००० के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने शब्द कोश परियोजना के लिए २२ लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है ।

(vi) अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा

प्रतिवर्ष की तरह संस्थान ने इस वर्ष भी देश के विभिन्न भागों में अध्ययन करने वाले संस्कृत के पारम्परिक छात्रों के लिए अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा का आयोजन किया । छात्रों के संस्कृत में भाषण कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता आठ शास्त्रीय विषयों में आयोजित की गई— साहित्य, व्याकरण, मीमांसा, वेदान्त, न्याय वैशेषिक, सांख्ययोग, और श्लोकान्त्याक्षरी एवं समस्यापूर्ति । विजयी प्रतिस्पर्धियों को नकद पुरस्कार के अलावा स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदकों द्वारा विभूषित किया गया ।

(viii) राष्ट्रपति द्वारा संस्कृत, पालि-प्राकृत, उर्दू, फारसी के सम्मानित विद्वानों को मानदेय

राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को संस्थान प्रति वर्ष ५०,०००/- रुपये की मानदेय राशि देती है । वर्ष के दौरान इस मद में १३५.८१ लाख रुपये खर्च किय गये ।

८. विद्यापीठ

८-१ श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी

परम्परागत संस्कृत अध्ययन अध्यापन में चिरकाल से सम्बद्ध, राज्य सरकार के अन्तर्गत संचालित सदाशिव संस्कृत कालेज, पुरी का १५ अगस्त १९७१ को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा अधिग्रहण किया गया । पुराने सदाशिव संस्कृत कालेज, पुरी का नाम बदल कर श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी रखा गया ।

यह विद्यापीठ विभिन्न विभागों जैसे साहित्य, नव्यव्याकरण, धर्मशास्त्र, पुराणेतिहास, ज्योतिष, अद्वैतवेदांत, नव्यन्याय, सर्वदर्शन आदि में प्रथमा से आचार्य तक का शिक्षण कार्य कर रहा है ।

इन विषयों के अतिरिक्त इसमें आधुनिक विषयों जैसे-अंग्रेजी, हिन्दी, उड़िया, इतिहास और गणित में शास्त्री और विद्यालय स्तर की कक्षाओं में संस्थान के पाठ्यक्रम के अनुसार अध्यापन कार्य होता है । यहाँ शिक्षाशास्त्री (प्रशिक्षण) पाठ्यक्रम भी चलाया जा रहा है ।

प्रवेश

प्रस्तुत वर्ष में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण इस प्रकार है:—

	कक्षा	छात्र संख्या
१.	प्रथमा-प्रथम वर्ष	१
२.	प्रथमा-द्वितीय वर्ष	—
३.	प्रथमा-तृतीय वर्ष	२
४.	पूर्वमध्यमा-प्रथम वर्ष	३
५.	पूर्वमध्यमा-द्वितीय वर्ष	३
६.	उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष	१४
७.	उत्तरमध्यमा-द्वितीय वर्ष	१
८.	प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	३९
९.	प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	४०
१०.	शास्त्री प्रथम वर्ष	४८
११.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	६०
१२.	शास्त्री तृतीय वर्ष	४९

१३.	आचार्य प्रथम वर्ष	११३
१४.	आचार्य द्वितीय वर्ष	१०१
१५.	शिक्षाशास्त्री	६०
	कुल योग	५३४

इस वर्ष अनुसूचित जाति/जनजाति के १४ छात्रों को प्रवेश दिया गया ।

छात्रवृत्ति

१९९९-२००० में छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों का विवरण इस प्रकार है:—

	कक्षा	छात्र संख्या
१.	प्रथमा-प्रथम वर्ष	१
२.	प्रथमा-द्वितीय वर्ष	—
३.	प्रथमा-तृतीय वर्ष	२
४.	पूर्वमध्यमा-प्रथम वर्ष	१
५.	पूर्वमध्यमा-द्वितीय वर्ष	१
६.	उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष	१०
७.	उत्तरमध्यमा-द्वितीय वर्ष	१
८.	प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	३०
९.	प्राक्शास्त्री-द्वितीय वर्ष	१४
१०.	शास्त्री-प्रथम वर्ष	४२
११.	शास्त्री-द्वितीय वर्ष	३९
१२.	शास्त्री-तृतीय वर्ष	३७
१३.	आचार्य-प्रथम वर्ष	१०२
१४.	आचार्य-द्वितीय वर्ष	८१
१५.	शिक्षाशास्त्री	३०
	कुल योग	३९१

परिणाम

प्रकृत वर्ष में विद्यापीठ की विभिन्न परीक्षाओं का परिणाम इस प्रकार रहा—

कक्षा	प्रतिशत
प्रथमा-प्रथम वर्ष	—
द्वितीय वर्ष	—
तृतीय वर्ष	५०%
पूर्वमध्यमा-प्रथम वर्ष	१६.६६%
द्वितीय वर्ष	४०%
उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष	७३.८३%
द्वितीय वर्ष	३३.३३%
प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	८०.८५%
द्वितीय वर्ष	५०%
शास्त्री-प्रथम वर्ष	९०%
द्वितीय वर्ष	९१.९५%
तृतीय वर्ष	९३.७५%
आचार्य-प्रथम वर्ष	७४.७५%
द्वितीय वर्ष	८८.९६%
शिक्षाशास्त्री	९८.३०%

८.२ गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद

गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अंगीभूत एक शोध संस्थान के रूप में कार्य कर रहा है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की विद्यावारिधि उपाधि हेतु शोधकार्य करने के लिए विद्यापीठ प्रतिवर्ष एक निश्चित संख्या में शोध छात्रों को प्रवेश देता है। विद्यापीठ में प्रविष्ट शोध-छात्र विद्यापीठ के शैक्षिक सदस्य के निर्देशन में कार्य करते हैं तथा पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपि विभाग में उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग करते हैं। विद्यापीठ का पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपियां न केवल उसके छात्रों और विद्वानों के लिए सीमित हैं अपितु विद्यापीठ संस्कृत एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति में अभिरुचि रखने वाले समाज के विभिन्न वर्गों के विद्वानों एवं शोधार्थियों को अपनी क्षमता के अनुसार इसके पुस्तकालय के उपयोग के लिए आमन्त्रित करता है।

विद्यापीठ के शैक्षिक सदस्य शोधार्थियों के निर्देशन के अतिरिक्त संस्थान द्वारा दिए गए विषयों पर शोध-कार्य भी करते हैं। विद्यापीठ की शोध-परियोजना का कार्य न केवल वैयक्तिक रूप से अपितु सामूहिक रूप से भी किया जाता है।

प्रस्तुत वर्ष १९९९-२००० में विद्यापीठ में २५ शोधार्थियों को विद्यावारिधि के लिए नामांकित किया गया।

परियोजनाएँ— १. पाण्डुलिपियों का संग्रह व संरक्षण

२. वेदभाष्य कोष का निर्माण

३. प्रातिशाख्य परिभाषा कोष

४. आठ संस्कृत पाण्डुलिपियों का समीक्षात्मक संपादन

५. शोध पत्रिका का संपादन

८-३ श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू

जम्मू एवं कश्मीर के पूर्व महाराज श्री रणवीर सिंह जी के द्वारा संस्थापित श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय का राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नयी दिल्ली ने ०१ अप्रैल, १९७१ को अधिग्रहण किया तथा इसका नाम श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ रखा गया। प्रथमा से आचार्य तक के विद्यार्थी यहाँ विभिन्न विषयों जैसे-साहित्य, न्याय, व्याकरण, फलित ज्योतिष और सर्वदर्शन का अध्ययन करते हैं। संस्कृत अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए १९७९ में शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम आरंभ किया गया। शास्त्री स्तर तक पारम्परिक विषयों के साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी और राजनीतिशास्त्र तथा इतिहास जैसे आधुनिक विषयों को पढ़ाया जाता है।

इस विद्यापीठ को काश्मीर शैव दर्शन कोश तैयार करने के उद्देश्य से कश्मीर शैवदर्शन परियोजना का दायित्व सौंपा गया था।

विद्यापीठ १४-७-१९७१ से किराए के भवन में अपना कार्य कर रहा है। जम्मू और कश्मीर सरकार ने भवन-निर्माण के लिए भलवाल में भूमि स्वीकृत की है। इस पर चारदीवारी के निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है।

प्रवेश

प्रस्तुत वर्ष में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या निम्नलिखित है:—

कक्षा	छात्र संख्या
प्रथमा-प्रथम वर्ष	२
प्रथमा-द्वितीय वर्ष	५
प्रथमा-तृतीय वर्ष	२
पूर्वमध्यमा-प्रथम वर्ष	९
पूर्वमध्यमा-द्वितीय वर्ष	१२
उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष	१५
उत्तरमध्यमा-द्वितीय वर्ष	७
प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	३१
प्राक्शास्त्री-द्वितीय वर्ष	२५
शास्त्री-प्रथम वर्ष	५६
शास्त्री-द्वितीय वर्ष	२९
शास्त्री-तृतीय वर्ष	२३
आचार्य-प्रथम वर्ष	२६
आचार्य-द्वितीय वर्ष	५
शिक्षाशास्त्री	६३
कुल योग	**३१०**

प्रस्तुत वर्ष में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के १३ विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया गया ।

इस विद्यापीठ में जम्मू और कश्मीर राज्य के अतिरिक्त हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, नेपाल आदि अन्य राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों को भी प्रवेश दिया जाता है । विद्यापीठ के पास अपना भवन न होने के कारण इसका कार्यालय, पुस्तकालय एवं कक्षाएं किराए के भवन में चलायी जाती हैं । इसी प्रकार छात्रावास भी किराए के भवनों में है । इस वर्ष ४० विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा उपलब्ध करायी गयी ।

छात्रवृत्तियां

कक्षा	संख्या
प्रथमा प्रथम वर्ष	१
प्रथमा द्वितीय वर्ष	३
प्रथमा तृतीय वर्ष	१
पूर्वमध्यमा प्रथम वर्ष	६
पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष	४
उत्तरमध्यमा प्रथम वर्ष	११
उत्तरमध्यमा द्वितीय वर्ष	७
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	२२
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	१३
शास्त्री प्रथम वर्ष	२०
शास्त्री द्वितीय वर्ष	१९
शास्त्री तृतीय वर्ष	२१
आचार्य प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष	१९
विद्यावारिधि	२९
कुल योग	१७६

परिणाम

प्रस्तुत वर्ष में विद्यापीठ की विभिन्न परीक्षाओं का परिणाम इस प्रकार रहा—

कक्षा	प्रतिशत
प्रथमा-प्रथम वर्ष	१००%
द्वितीय वर्ष	६०%
तृतीय वर्ष	५०%

पूर्वमध्यमा-प्रथम वर्ष	५५.५५%
द्वितीय वर्ष	३३%
उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष	७३.३३%
द्वितीय वर्ष	७१.४२%
प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	९०.३३%
द्वितीय वर्ष	९१.७२%
शास्त्री-प्रथम वर्ष	९७.५२%
द्वितीय वर्ष	६८.१८%
तृतीय वर्ष	१००%
आचार्य- ज्योतिष साहित्य दर्शन	१००%
(व्याकरण)	९२.१८%
शिक्षाशास्त्री	१००%

८-४ गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरानाटुकरा, त्रिचूर

गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जो संस्थान द्वारा अधिग्रहण से पूर्व साहित्यदीपिका संस्कृत विद्यापीठ के नाम से जाना जाता था, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा संचालित आठ विद्यापीठों में से एक है। शैक्षिक सत्र १९९९-२००० में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार है:—

कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या
प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	३७
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	३७
शास्त्री-प्रथम वर्ष	२५
शास्त्री-द्वितीय वर्ष	१८
शास्त्री-तृतीय वर्ष	२१
आचार्य-प्रथम वर्ष	१३
आचार्य-द्वितीय वर्ष	१३
शिक्षाशास्त्री	५०
कुल योग	२१४

छात्रवृत्ति

विभिन्न कक्षाओं में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को दी गई छात्रवृत्तियों की संख्या इस प्रकार है:—

कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	२७
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	१३
शास्त्री प्रथम वर्ष	२१
शास्त्री द्वितीय वर्ष	१३
शास्त्री तृतीय वर्ष	१२
आचार्य प्रथम वर्ष	९
आचार्य द्वितीय वर्ष	१०
शिक्षाशास्त्री	३०
विद्यावारिधि	३
कुल योग	१३८

इस वर्ष अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के ३९ छात्रों ने विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश लिया।

परिणाम

प्रकृत वर्ष में विद्यापीठ की विभिन्न परीक्षाओं के परिणाम इस प्रकार रहे—

कक्षा	प्रतिशत
प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	४९% (१७ प्रोन्नत)
द्वितीय वर्ष	६२.५% (१० पूरकपरीक्षा)
शास्त्री-प्रथम वर्ष	८१.४८%
द्वितीय वर्ष	८०%
तृतीय वर्ष	८६.३७%
आचार्य-प्रथम वर्ष	७३.८३%
द्वितीय वर्ष	१००%
शिक्षाशास्त्री	१००%

इस वर्ष अनुसूचित जाति/जनजाति के ३९ विद्यार्थियों को विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश दिया गया।

८-५ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जयपुर

यह विद्यापीठ राजस्थान संस्कृत अकादमी की संस्तुतियों के आधार पर राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री के द्वारा तत्कालीन शिक्षामंत्री, भारत सरकार को किए गए अनुरोध के फलस्वरूप मई १९८३ में संस्थापित किया गया। वर्तमान में इस विद्यापीठ में तीन विभाग हैं:—

१. शोध एवं प्रकाशन

२. शास्त्री, आचार्य विभाग

३. प्रशिक्षण विभाग

प्रस्तुत वर्ष में क्रियाकलापों का विवरण इस प्रकार है:—

प्रवेश

कक्षा	छात्र संख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	२२
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	१९
शास्त्री प्रथम वर्ष	६१
शास्त्री द्वितीय वर्ष	५३
शास्त्री तृतीय वर्ष	५५
आचार्य प्रथम वर्ष	५१
आचार्य द्वितीय वर्ष	३२
शिक्षाशास्त्री	६२
कुल योग	३५५

छात्रवृत्ति का विवरण

कक्षा	संख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	१५
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	१७
शास्त्री प्रथम वर्ष	५०
शास्त्री द्वितीय वर्ष	४२
शास्त्री तृतीय वर्ष	३७

आचार्य प्रथम वर्ष	२८
आचार्य द्वितीय वर्ष	२०
शिक्षाशास्त्री	३०
कुल योग	२३९

अनुसूचित, जाति/ अनुसूचित जनजाति के २९ विद्यार्थी को प्रवेश दिया गया। इस वर्ष ३० विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा प्रदान की गई है।

परिणाम

इस वर्ष विद्यापीठ की विभिन्न परीक्षाओं के परिणाम इस प्रकार रहे—

कक्षा	प्रतिशत
प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	९८%
द्वितीय वर्ष	८४.२%
शास्त्री-प्रथम वर्ष	९०.७४%
द्वितीय वर्ष	९६%
तृतीय वर्ष	९३.५४%
आचार्य-प्रथम वर्ष	७३%
द्वितीय वर्ष	८५%
शिक्षाशास्त्री	९६.६६%

इस वर्ष अनुसूचित/जनजाति के २९ विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। ३० विद्यार्थियों ने होस्टल की सुविधा प्राप्त की।

८-६ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, लखनऊ

प्रवेश

१९९९-२००० शैक्षिक वर्ष में इस विद्यापीठ में छात्रों के प्रवेश का विवरण निम्नलिखित है:—

कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	१३
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	१०
शास्त्री प्रथम वर्ष	१८
शास्त्री द्वितीय वर्ष	२८
शास्त्री तृतीय वर्ष	१३

आचार्य-प्रथमवर्ष	२२
आचार्य द्वितीय वर्ष	११
शिक्षाशास्त्री	६०
कुलयोग	१७५

छात्रवृत्ति

प्रस्तुत वर्ष में छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है:—

कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	१०
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	९
शास्त्री प्रथम वर्ष	१४
शास्त्री द्वितीय वर्ष	२४
शास्त्री तृतीय वर्ष	१०
आचार्य प्रथम वर्ष	१८
आचार्य द्वितीय वर्ष	१०
शिक्षाशास्त्री	३०
कुल योग	१२५

इस वर्ष अनुसूचित जाति/जनजाति व पिछड़ी जाति के २३ विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया।

इस वर्ष ५२ विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा प्रदान की गयी।

परिणाम

इस वर्ष विद्यापीठ की वार्षिक परीक्षाओं के परिणाम इस प्रकार रहे—

कक्षा	प्रतिशत
प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	१०० %
द्वितीय वर्ष	१००%
शास्त्री-प्रथम वर्ष	९८%
द्वितीय वर्ष	१००%
तृतीय वर्ष	१००%

आचार्य-प्रथम वर्ष	१००%
द्वितीय वर्ष	९९%
शिक्षाशास्त्री	१००%

८-७ राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, श्रृंगेरी

श्रृंगेरी में मानव संसाधन विकास मंत्री की उपस्थिति में दिनांक ५-३-१९९२ को भारत के राष्ट्रपति के द्वारा राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ का उद्‌घाटन किया गया । विद्यापीठ श्रृंगेरी मठ के किराए के एक भवन में कार्यरत है ।

प्रवेश

वर्ष १९९९-२००० में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार रही :

कक्षा	छात्रसंख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	४
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	१
शास्त्री प्रथम वर्ष	१
शास्त्री द्वितीय वर्ष	१
शास्त्री तृतीय वर्ष	१
आचार्य प्रथम वर्ष	५
आचार्य द्वितीय वर्ष	७
शिक्षाशास्त्री	६०
कुल योग	८०

छात्रवृत्ति

वर्ष में छात्रवृत्ति पाने वाले छात्रों की संख्या इस प्रकार है;—

कक्षा	छात्रसंख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	३
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	-
शास्त्री प्रथम वर्ष	१
शास्त्री द्वितीय वर्ष	१
शास्त्री तृतीय वर्ष	१

आचार्य प्रथम वर्ष	१
आचार्य द्वितीय वर्ष	७
शिक्षाशास्त्री	३०
कुल योग	४४

इस वर्ष दस विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा-प्रदान की गई और अनुसूचित जाति/जनजाति के आठ छात्रों को प्रवेश दिया गया।

८.८ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, गरली

भारतीय स्वाधीनता के स्वर्ण जयन्ती वर्ष में दिनांक १६ सितम्बर १९९७ को हिमाचल प्रदेश में कालेश्वर के निकट ग्राम गरली जिला कांगड़ा में आठवें केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ का उद्घाटन तत्कालीन शिक्षाराज्यमन्त्री, भारत सरकार माननीय श्रीमुहीराम सैकिया के द्वारा किया गया। यह विद्यापीठ सम्प्रति किराए के भवन में चल रहा है। यहां प्राक्शास्त्री से लेकर आचार्य उपाधि पर्यन्त पठन-पाठन की व्यवस्था है।

प्रवेश

वर्ष १९९९-२००० में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या इस प्रकार रही:—

कक्षा	छात्रसंख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	—
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	५२
शास्त्री प्रथम वर्ष	३६
शास्त्री द्वितीय वर्ष	२६
शास्त्री तृतीय वर्ष	१०
आचार्य प्रथम वर्ष	१०
आचार्य द्वितीय वर्ष	१४
विद्यावारिधि	३
कुल योग	१५१

छात्रवृत्ति

कक्षा	छात्रसंख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	—
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	३४
शास्त्री प्रथम वर्ष	३४
शास्त्री द्वितीय वर्ष	१९
शास्त्री तृतीय वर्ष	१०
आचार्य प्रथमवर्ष	८
आचार्य द्वितीय वर्ष	१२
कुल योग	११७

अनुसूचित जाति/जनजाति के वारह छात्रों को सत्र १९९--२००० में विद्यापीठ में प्रवेश दिया गया ।

वर्ष की प्रमुख गतिविधियाँ

९. शैक्षणिक गतिविधियाँ

९.१ अखिल भारतीय शिक्षक सम्मेलन

प्रस्तुत वर्ष में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय ने अखिल भारतीय शिक्षक सम्मेलन हेतु २० लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की थी। मार्च २६ से २८ वर्ष २००० तक नई दिल्ली में सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसका उद्घाटन समारोह विज्ञान भवन में माननीय विकास मन्त्री भारत सरकार की अध्यक्षता में हुआ। पारम्परिक पाठशालाओं एवं समकालिक शैक्षिक संस्थाओं से लगभग ८०० संस्कृत शिक्षकों ने सहभागिता की। सम्मेलन चार सत्रों में विभक्त करके आयोजित किया गया–

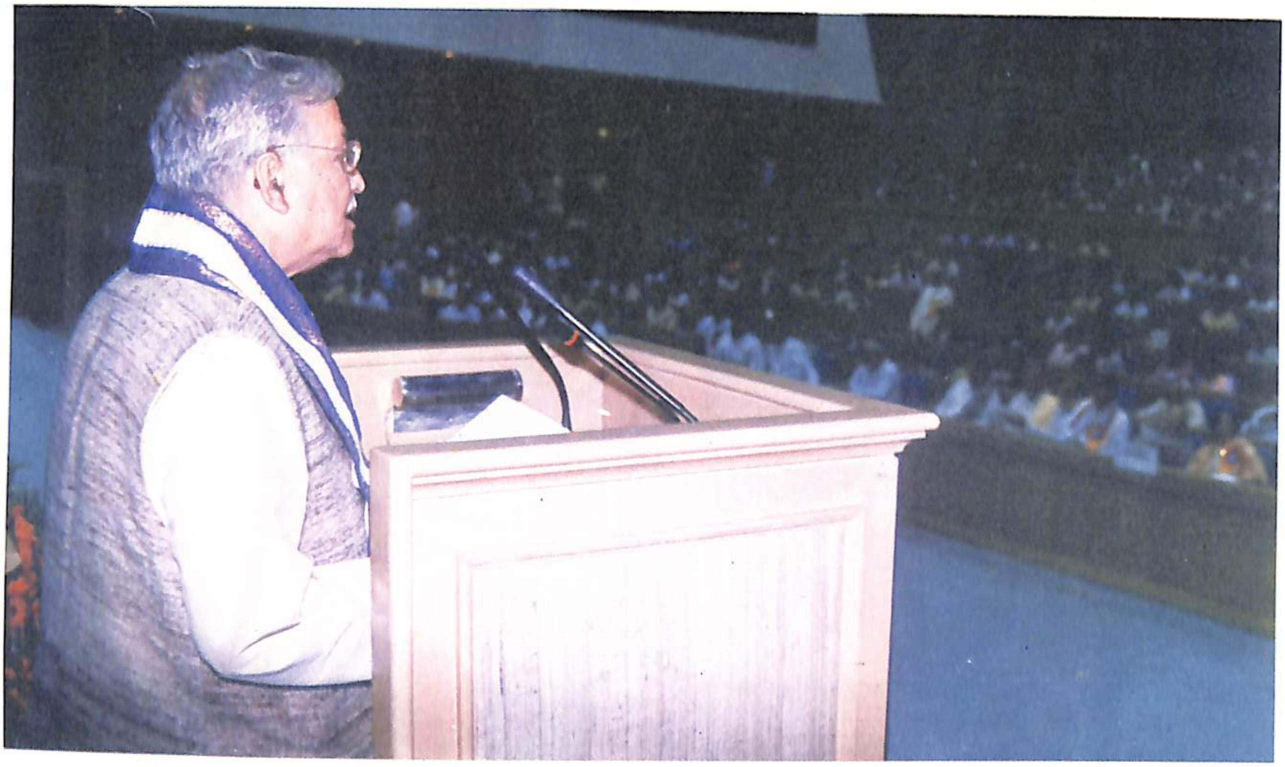

माननीय मानव संसाधन विकास मन्त्री डा० मुरली मनोहर जोशी विज्ञान भवन में २६ मार्च २००० को उद्घाटन भाषण देते हुये।

(१) संस्कृत का विकास एवं संस्कृत सम्भाषण की भूमिका

(२) संस्कृत विकास हेतु कार्य योजना

(३) संस्कृत एवं कम्प्यूटर प्रोग्राम की भूमिका

(४) आगामी १० वर्षों में संस्कृत के विकास हेतु करणीय कार्य।

एक विस्तृत योजना का प्रारुप मानव संसाधन विकास मन्त्रालय भारत सरकार की सेवा में विचारार्थ एवं कार्यन्वनयन हेतु प्रस्तुत किया गया।

न्यायमूर्ति श्री रंगनाथ मिश्र, डा० सत्यनारायण जटिया (श्रम मंत्री), श्री एल.एम. सिघवी (सांसद), पद्मश्री डा० मण्डन मिश्रा, डा० सरोजिनी महिषी (उपाध्यक्षा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान), प्रो० वी० कुटुम्ब शास्त्री (निदेशक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)

उद्घाटन समारोह विज्ञान भवन, २६ मार्च २०००

मानव संसाधन विकास मंत्री डा० मुरली मनोहर जोशी डा० सत्यनारायण जटिया श्रम मंत्री को प्रतीक चिन्ह भेंट करते हुये।

डा० वी०आर० पञ्चमुखी, श्री एन० गोपालस्वामी, श्री किरीट जोशी, डा० दीनानाथ बत्रा, श्री लज्जा राम तोमर दिनांक २६ मार्च २००० को उद्घाटन समारोह में उपस्थित।

श्री एम०के० काव, शिक्षा सचिव शिक्षक सम्मेलन को संबोधित करते हुये, आध्यात्म केन्द्र छतरपुर।

शिक्षक सम्मेलन के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

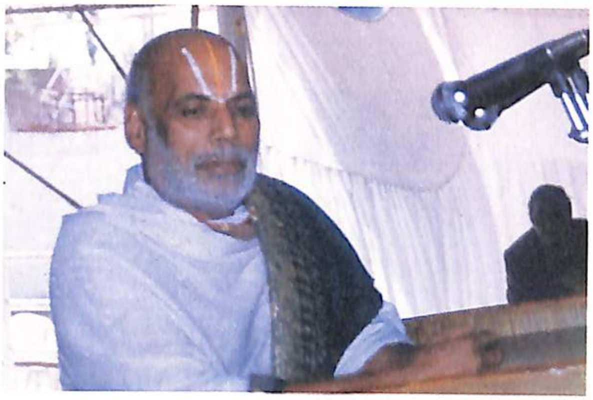

पं० विद्यानिवास मिश्र, आचार्य रामानुजाताताचार्य, डा० रामकरण शर्मा, डा० के० पी० ए० मेनन,
डा० वी०आर० पञ्चमुखी, आचार्य एस०बी० रघुनाथचार्य, आचार्य प्रहालादाचर,
पं० गुलाम दस्तगीर शिक्षक सम्मेलन को संबोधित करते हुये।

समापन समारोह

निदेशक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान अध्यात्म केन्द्र में माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी का स्वागत करते हुए।

दीप प्रज्ज्वलन

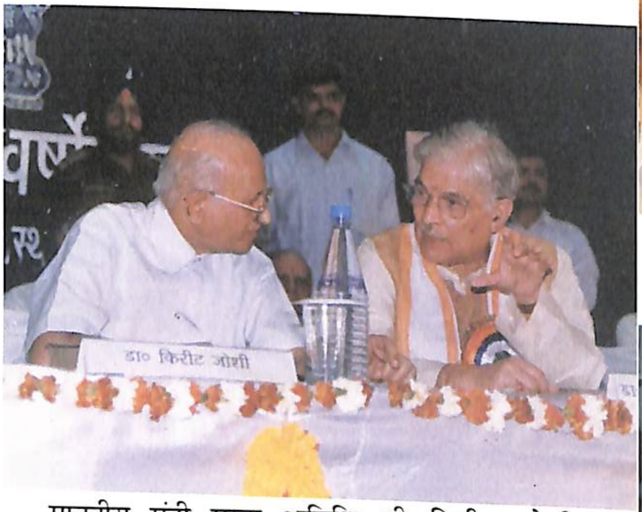

माननीय मंत्री मुख्य अतिथि श्री किरीट जोशी के साथ

मुख्य अतिथि श्री एन० गोपालास्वामी

प्रो० वी० कुटुम्ब शास्त्री सम्मेलन में पारित प्रस्तावों को माननीय मंत्री जी को प्रस्तुत करते हुए।

समापन समारोह २८ मार्च २००० अध्यात्म केन्द्र

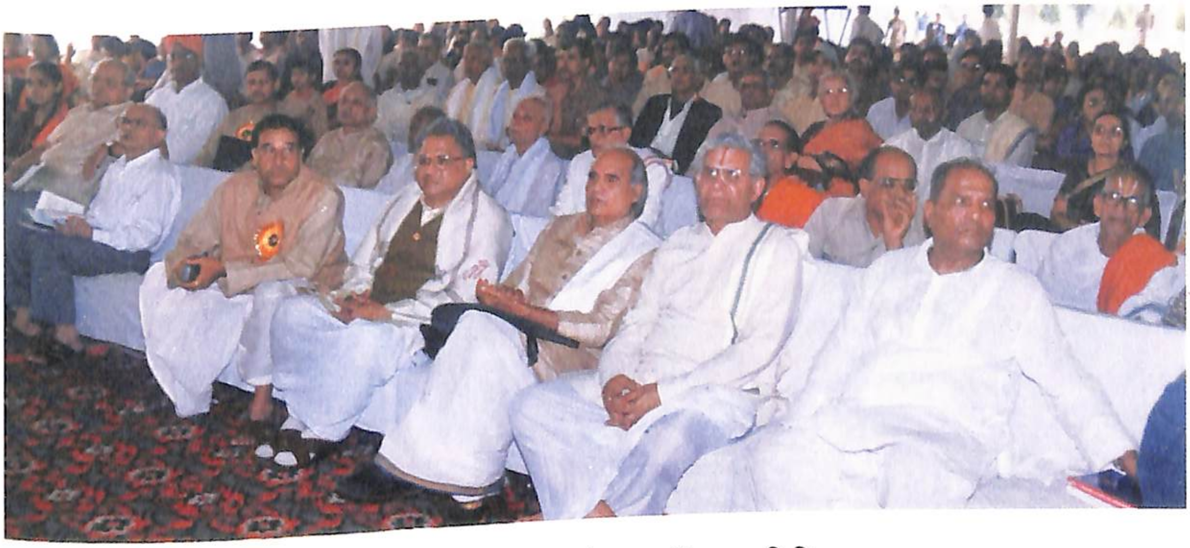

समापन समारोह में आमंत्रित अतिथि

९.२ भारत के १०० प्रतिष्ठित विद्वानों को विद्वत् सम्मान

संस्कृत वर्ष समारोह के उपलक्ष्य में मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने १०० प्रतिष्ठित विद्वानों को विद्वत सम्मान के लिए १५ लाख रुपये की अनुदान राशि प्रदान की। इन विद्वानों का चयन श्री रंगनाथ मिश्र भू०पू० मुख्य न्यायाधीश सर्वोच्च न्यायालय, की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। चयनित सदस्यों को १०,००० रुपये की राशि एक शाल तथा प्रतीक चिन्ह प्रदान किया गया। यह कार्यक्रम नई दिल्ली में २८ मार्च २००० को डा० मुरली मनोहर जोशी मानव संसाधन विकास मंत्री जी के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

प्रतिष्ठित संस्कृत विद्वान विद्वत् सम्मान समारोह २८ मार्च २०००

९.३ भारत सरकार द्वारा संस्कृत विकास योजना के अन्तर्गत पांच प्रस्तावों की स्वीकृति

इस वर्ष के दौरान मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने संस्कृत विकास योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यक्रमों की स्वीकृति दी जिसकी कुल अनुदान राशि २३.१५ लाख थी।

(१) शिक्षक प्रशिक्षण

(२) भारत के १०० जिलों में संस्कृत के कार्यक्रम

(३) २५ विद्वानों को सम्मान जो संस्कृत से संबंध नहीं रखते लेकिन जिन्होंने संस्कृत के क्षेत्र में योगदान दिया हो।

(४) संस्कृत दूरस्थ शिक्षा के लिए विषयों का चयन एवं पाठ्यक्रम बनाना

(५) विभिन्न केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों एवं आदर्श महाविद्यालयों में संस्कृत से संबधित सेमिनारों का आयोजन। जिनका विवरण इस प्रकार है–

सेमिनार	संस्था का नाम
भारद्वाज महोत्सव	इलाहाबाद विद्यापीठ
सवाई जय सिंह समारोह	जयपुर विद्यापीठ
शंकर समारोह	श्रृङ्गेरी विद्यापीठ
भरत महोत्सव	गरली विद्यापीठ
तवस्थी महोत्सव	पुरी विद्यापीठ
चरक महोत्सव	लखनउ विद्यापीठ
वाचस्पति मिश्र महोत्सव	आदर्श संस्कृत महाविद्यालय लगमा बिहार
भागवत् सभा	आदर्श संस्कृत महाविद्यालय वृन्दावन
धस्करी समारोह	आदर्श संस्कृत महाविद्यालय वाराणसी
तिलक समारोह	आदर्श संस्कृत महाविद्यालय मुम्बई

९.४. अखिल भारतीय संस्कृत वाक्-स्पर्धा

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा २७-२९ दिसम्बर १९९९ को भारतीय विद्या भवन, मुम्बई में अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा का आयोजन किया। इस समारोह में आठ शास्त्रीय विषयों तथा श्लोकान्तक्षरी व समस्यापूर्ति पर प्रतियोगितायें आयोजित की गयी। माननीय न्यायमूर्ति श्री. सी.डी. धर्माधिकारी भू.पू. न्यायाधीश बम्बई उच्च न्यायालय इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। डा० वाचस्पति उपाध्याय उप कुलपति श्री ला०बा०रा०सं० विद्यापीठ दिल्ली ने इस समारोह की अध्यक्षता की। इस वाक्स्पर्धा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को स्वर्ण, रजत व कास्य पदकों से पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही संस्थान की परीक्षाओं में प्रथमा से लेकर आचार्य तक प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थीयों को स्वर्ण पदक दिया गया। संस्थान के निदेशक प्रो० वी० कुटुम्ब शास्त्री ने अतिथियों का स्वागत किया।

न्यायमूर्ति श्री सी.डी. धर्माधिकारी भ.पू. न्यायाधीश उच्च न्यायालय, मुम्बई, डा० वाचस्पति उपाध्याय कुलपति श्री ला.ब.शा. राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ एवं प्रो० वी० कुटुम्ब शास्त्री निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा मुम्बई २७-२९ दिसम्बर ९९ के अवसर पर

अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा (मुम्बई) के अवसर पर प्रो० वी०कुटुम्ब शास्त्री, निदेशक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुये।

९.५ संस्कृत दिवस समारोह

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के संयुक्त तत्वावधान में २६ अगस्त १९९९ को संस्कृत दिवस समारोह का आयोजन किया गया। डा० मण्डन मिश्र ने आयोजन की अध्यक्षता की। डा० एल०एम० सिंघवी मुख्य वक्ता तथा डा० सरोजिनी महिषी उपाध्यक्षा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

९.६ स्थापना दिवस समारोह

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का स्थापना दिवस समारोह १५ अक्टूबर १९९९ को मनाया गया। डा० के०पी०ए० मेनन, कुलाधिपति श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय विद्यापीठ इसके मुख्य अतिथि थे और इसाकी अध्यक्षता डा० सरोजिनी महिषी, उपाध्यक्षा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने की। इस अवसर पर डा० रामकरणशर्मा जी भी उपस्थित थे।

प्रशासनिक एवं कल्याण गतिविधियाँ

अ. शिक्षकों को बकाया राशि का भुगतान

सभी शिक्षकों को पंचम वेतन आयोग को १.१.९६ से लागू करने से एरियर राशि जो २७० लाख देय थी का भुगतान किया गया। मंत्रालय ने यह राशि संस्थान के बजट के अतिरिक्त स्वीकृत की थी।

ब. विद्यापीठों में कम्प्यूटरीकरण

विद्यापीठों में कम्प्यूटर शिक्षा प्रारम्भ करने के लिए वर्ष के दौरान सभी विद्यापीठों में कम्प्यूटर सुलभ कराये गये।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

साधारण सभा के सदस्यों की सूची

१.	डॉ० मुरली मनोहर जोशी मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार	अध्यक्ष
२.	डॉ० सरोजिनी महिषी सी-१/१४, साउथ एन्डरोड लोधी कॉलोनी, नई दिल्ली-११०००३	उपाध्यक्ष
३.	डॉ० पी. एच्. सेतु माधव राव संयुक्त शिक्षा सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय (शिक्षाविभाग), शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
४.	श्री संजय नारायणन् वित्तीय सलाहकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार	सदस्य
५.	श्री एन्. गोपालास्वामी महासचिव, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, सरदार पटेल भवन, पटेल चौक, नई दिल्ली	सदस्य
६.	आचार्य राधाकृष्ण मनोरी ८, गिधवानी रोड आदर्श नगर, दिल्ली-११००३३	सदस्य
७.	पं० वेदानन्द झा जे-१९ ई, रमेश नगर, नई दिल्ली-११००१५	सदस्य
८.	आचार्य रामकिशोर शर्मा जिला-एटा सेवानिवृत्त प्राचार्य, राधाकृष्ण संस्कृत कॉलेज, खुर्जा, उत्तर-प्रदेश	सदस्य

९.	डॉ० गणेश भारद्वाज, रीडर (संस्कृत), पंजाब विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय क्वार्टर्स, ऊना रोड, होशियार पुर (पञ्जाब)	सदस्य
१०.	श्री राजा एम घुले प्राचार्य, चतुधार्म वेद भवन न्यास विद्यालय, दारागंज, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)	सदस्य
११.	प्रो० के. टि. पाण्डुरंगी सोवानिवृत्त प्रोफेसर, नं० १३२/४, II क्रांस, III ब्लॉक, जयनगर, बंगलौर-५६००११	सदस्य
१२.	डॉ० एम. ए. लक्ष्मीताताचार्य निदेशक, एकेडेमी ऑफ संस्कृत रिसर्च, मेलकोटे, कर्नाटक	सदस्य
१३.	डॉ० पी.जी. लेले निदेशक भण्डारकर ओरियण्टल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, पुणे	सदस्य
१४.	श्री श्रीकृष्ण सेमवाल सचिव दिल्ली संस्कृत अकादमी, भारती महिला कॉलेज भवन, झण्डेवालान, नई दिल्ली	सदस्य
१५.	डॉ० काशी नाथ मिश्र कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय दरभंगा, बिहार	सदस्य
१६.	प्रो० जी. सी. नायक नं० एन-४/१२५ आई आर सी- गाँव नयापल्ली भुवनेश्वर -५३	सदस्य
१७.	प्रो० वाचस्पति उपाध्याय उप-कुलपति श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली	सदस्य
१८.	डॉ० एन. एन. मिश्र उपशिक्षा सलाहकार (संस्कृत) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य

१९.	डॉ० जी. सी. त्रिपाठी प्रधानाचार्य गंगा नाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ इलाहाबाद	सदस्य
२०.	डॉ० आर. के. शुक्ला प्रधानाचार्य रणवीर केन्द्रीयं संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू	सदस्य
२१.	डॉ० उमा रमण झा प्रधानाचार्य केन्द्रीय संस्कृत विधापीठ, लखनऊ	सदस्य
२२.	निदेशक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली	सदस्य सचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

शासी परिषद् के सदस्यों की सूची

१. डॉ० मुरली मनोहर जोशी — अध्यक्ष
मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार

२. डॉ० सरोजिनी मंहिषी — उपाध्यक्ष
सी-१/१४, साउथ एन्डरोड लोधी कॉलोनी,
नई दिल्ली-११०००३

३. डॉ० पी. एच्. सेतु माधव राव — सदस्य
संयुक्त शिक्षा सलाहकार
मानव संसाधन विकास मन्त्रालय
(शिक्षाविभाग), शास्त्री भवन, नई दिल्ली

४. श्री संजय नारायणन् — सदस्य
वित्तीय सलाहकार,
मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार

५. आचार्य श्री राधाकृष्ण मनोरी — सदस्य
८, मिदवानी रोड, आदर्श नगर, दिल्ली-११००३३

६. श्री श्रीकृष्ण सेमवाल — सदस्य
सचिव, दिल्ली संस्कृत अकादमी,
भारती महिला कॉलेज भवन, झण्डेवालान, नई दिल्ली

७. श्री राजा एम घुले — सदस्य
प्राचार्य, चतुधार्म वेद भवन न्यास विद्यालय,
दारागंज, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)

८. डॉ० गणेश भारद्वाज, — सदस्य
रीडर (संस्कृत), पंजाब विश्वविद्यालय,
विश्वविद्यालय क्वार्टर्स, ऊना रोड, होशियार पुर (पञ्जाब)

९. निदेशक — सदस्य सचिव
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(१) स्थायी रूप से सम्बद्ध संस्थाएं

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
१.	लक्ष्मी देवी सर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय काली रेखा वैद्यनाथ धाम देवधर (झारखण्ड)	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
२.	आर्यकन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर नयी दिल्ली	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तर मध्यमा शास्त्री
३.	श्री समन्तभद्र संस्कृत महाविद्यालय दरियागंज नई दिल्ली	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तर मध्यमा प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
४.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ पोस्ट आफिस बालूसरी जिला कालीकट, (केरल)	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
५.	कोडांगलूर विद्यापीठ पैलेस रोड, पो० कोडांगलूर जिला-त्रिचूर (केरल)	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
६.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठम् पो० इडाक्काडम, इजहूकेन, क्वीलोन, केरल केरल	पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री प्राक्शास्त्री आचार्य
७.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के० एम० मुन्शी मार्ग मुम्बई	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य

(२) सम्बद्ध संस्थाएं १९९९-२०००

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
असम		
१.	माडर्न एस्ट्रोलोजिकल रिसर्च एसोसिएशन, तिनसुकिया, (असम)	प्रथमा, प्रथम, द्वितीय, तृतीय
बिहार		
२.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत विद्यालय लगमा, ग्राम० पो० रामभद्रपुर वा० लोहनारोड जिला दरभंगा (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा, प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
३.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय, रामचन्द्रपुर	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम
४.	डा० रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुज्फ्फरपुर (बिहार)	प्रथमा- प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथमा, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य—प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण, प्राचीन व्याकरण, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन)
५.	लक्ष्मी देवी सर्राफ आदर्श संस्कृत पाठशाला काली रेखा वैद्यनाथ धाम देवधर (झारखण्ड)	प्राक्शास्त्री-तृतीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य- प्रथम, द्वितीय
६.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टापटोरी पो० पटोरी बसंत जिला दरभंगा (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्मध्यमा- प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, ज्योतिष (सि०व फ०) व्याकरण)

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
७.	श्री चन्द्रिका दास संस्कृत महाविद्यालय, घौरी, भोजपुर (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तर मध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, वेद, ज्योतिष, दर्शन)
८.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वेगूसराय बिहार	प्रथमा-प्रथम द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम द्वितीय उत्तरमध्यमा—प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य व्याकरण)
९.	श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्याप्रतिष्ठान रमौली बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) बहेरा, दरभङ्गा (बिहार)	प्रथमा, प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा— प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा—प्रथम-द्वितीय प्राक्शास्त्री—प्रथम द्वितीय
१०.	डा० मण्डन मिश्र, माध्यमिक संस्कृत विद्यालय, संजात बेगुसराय (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री—प्रथम, द्वितीय
११.	अजित कुमार मेहता संस्कृत शिक्षण संस्थान, पो० लहदरा जि० समस्ती पुर (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
१२.	लक्ष्मी हरिकान्त प्राथमिक संस्कृत माध्यमिक विद्यालय झंझारपुर, मधुबनी, बिहार	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
१३.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यालय ग्राम—कालीधाम दरभंगा—बिहार	प्रथमा प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्व मध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तर मध्यमा—प्रथम, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
१४.	जे० एन० बी०० आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो० ऑ०, लगया, राममद्रपुर, वाया, लोहना रोड, जिला दरभंगा (बिहार)	प्राक्शास्त्री— प्रथम, द्वितीय शास्त्री— प्रथम, द्वितीय आचार्य— प्रथम (वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष् और धर्मशास्त्र) विद्या वारिधि
१५.	प्राथमिक संस्कृत माध्यमिक विद्यालय दयालपुर, सारण विहार	प्रथमा, प्रथम, द्वितीय, तृतीय
दिल्ली		
१६.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेशनगर, नई दिल्ली—१५	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय
१७.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य राजघाट पावर हाऊस गांधी समाधि, नई दिल्ली	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
१८.	श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या सोसायटी के अंतर्गत) मंडावली, दिल्ली-११००९२	आचार्य-प्रथम, द्वितीय (कर्मकाण्ड, पौरोहित्य, ज्योतिष, फलित और सिद्धांत)
१९.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यापीठ वसंत नगर, नयी दिल्ली-११००५७	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
२०.	रामदल संस्कृत महाविद्यालय दरीबां कलाँ, दिल्ली	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
२१.	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ १०२१-१०२४, गली शक्ति मन्दिर दरियागंज, नई दिल्ली-११०००२	प्रथमा—प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा—प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा—प्रथम, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
२२.	श्री समन्तभद्र संस्कृत महाविद्यालय दरियागंज नई दिल्ली	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तर मध्यमा- प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री -प्रथम, द्वितीय शास्त्री -प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय
२३.	श्री महावीर विद्यापीठ पश्चिम विहार, नई दिल्ली	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा—प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य—(साहित्य व्याकरण, सर्वदर्शन) विद्यावारिधि
२४.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-४८७/३, रघुवीर नगर नई दिल्ली-११००२७	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा- प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री—प्रथम, द्वितीय
२५.	आर्यकन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर नयी दिल्ली-११००६०	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तर मध्यमा-प्रथम, द्वितीय
२६.	राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय कराला, दिल्ली-११००८१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम द्वितीय
२७.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरवली, दिल्ली-११००३९	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
२८.	बाल विद्या मन्दिर रोहिणी, पूठ कलाँ दिल्ली—११००४१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
२९.	तपोवन संस्कृत महाविद्यालय नजफगढ़ (दिचाऊँ कलाँ) नई दिल्ली-११००४३	प्रथमा, प्रथम द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा—प्रथम
३०.	इण्टरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक साईंस बी-५/१७१, कृष्णनगर, दिल्ली-११००५१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा—प्रथम द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
गुजरात		
३१.	श्री समर्थ संस्कृत महाविद्यालय, समर्थेश्वर महादेव एलिस ब्रिज, अहमदाबाद—६	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
३२.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय, श्री कौशलेन्द्र मठ, पो० पलाडी, सुरखेज रोड़ अहमदाबाद-गुजरात—३८०००७	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय तृतीय पूर्वमध्यमा, प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत)
३३.	एम. जे. पी संस्कृत महाविद्यालय नस्नपुर, अहमदाबाद-१३	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय तृतीय
३४.	दर्शनम संस्कृत महाविद्यालय सखल गांधी नगर,	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
३५.	श्री शंकराचार्य अभिनव सच्चिदानन्दतीर्थ संस्कृत महाविद्यालय, द्वारका-३६१३३५ गुजरात	प्रथमा, प्रथम, तृतीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम द्वितीय प्राक्शास्त्री, प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम द्वितीय, तृतीय आचार्य—प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नवव्याकरण)
हरियाणा		
३६.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय, महेन्द्र गढ़ (हरियाणा)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री - प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
३७.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ बघौला, तहसील-पलवल जिला फरीदाबाद (हरियाणा)	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
३८.	श्री रामकृष्ण संस्कृत महाविद्यालय जी. टी. रोड., मुरथल जिला-सोनीपत हरियाणा	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा—प्रथम, द्वितीय
३९.	श्री रामानन्दा, ब्रह्मऋषि, महाविद्यालय, विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा)	पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय
४०.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय पाण्डुपिण्डारा, हरियाणा	प्रथमा—प्रथम पूर्वमध्यमा—प्रथम उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
४१.	श्री कृष्ण प्रणामि संस्कृत महाविद्यालय, प्रणामि नगर (दादरी गेट) भिवानी, हरियाणा	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय, (साहित्य, व्याकरण)
जम्मू		
४२.	श्री गुरू गंगादेव शास्त्री महाविद्यालय, शिवशक्ती, सुंदरबणी राजौरी, जम्मू	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
केरला		
४३.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय, पायनूर-६७०३०७	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
४४.	रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो०-अरूणापुरम्, प्लाई (केरल)	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
४५.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठम् पो० इडाक्काडम, इजहूकेन, क्वीलोन, केरल केरल	पूर्वमध्यमा- प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय
४६.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, कालीकट	प्राक्शास्त्री—प्रथम, द्वितीय शास्त्री—प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य—प्रथम, द्वितीय
४७.	कोडांगलूर विद्यापीठ पैलेस रोड, पो० कोडांगलूर जिला-त्रिचूर (केरल)	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय
४८.	श्री शंकर संस्कृत महाविद्यालय, वीमेन्स चैरिटेबुल सोसायटी, प्रधान कार्यालय, उलीन, त्रिवेन्द्रम—६९५०११	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
कर्नाटक		
४९.	एकेडेमी आफ संस्कृत रिसर्च मेलकोटे	शास्त्री-प्रथम, द्वितीय द्वितीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (वेदांत, व्याकरण) विद्यावारिधि
महाराष्ट्र		
५०.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के० एम० मुन्शी मार्ग मुम्बई-४००००७	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय
५१.	श्री अंबाजी संस्कृत विद्यालय, निवेतिया रोड, वसंत मुंबई (महाराष्ट्र)—४०००९७	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
५२.	विवेकानंद संस्कृत पाठशाला विवेकानंद आश्रम, विवेकानंद नगर, पो, हिवाटा, (बी.यू.) तहसील मोहेकर, जिला बलधाना-(महाराष्ट्र) ४४३३०१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
मणिपुर		
५३.	मणिपुर संस्कृत विद्यापीठ डी० एम० कालेज कैम्पस, इम्फाल मणिपुर	प्राक्शास्त्री-प्रथमा, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
५४.	राधामाधव संस्कृत महाविद्यालय, नाम्बूल मणिपुर	प्रथमा—प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा—प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा—प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री—प्रथम, द्वितीय शास्त्री—प्रथम, द्वितीय आचार्य—प्रथम, द्वितीय
मध्य प्रदेश		
५५.	आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वसंत नगर, जौरा, जिला-मुरैना (म० प्र०)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
पंजाब		
५६.	बाबा हरदित गिरि विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी अखारा शिरहिन्द सिटी, जिला पटियाला-	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
५७.	सरस्वती संस्कृत कालेज खन्ना—१४१४०१ जिला—लुधियाना (पंजाब)	प्राक्शास्त्री—प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय
राजस्थान		
५८.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, गंगापुर सिटी-३२२२०१ जिला-सवाईमाधोपुर (राजस्थान)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
सिक्किम		
५९.	हरेश्वर संस्कृत विद्यापीठ, लिंग्म दार्जिलिंग हरलोक, लिंग्स बाया रीनक, पूर्व सिक्किम-७३७१३३	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
उत्तर-प्रदेश		
६०.	आदर्श संस्कृत विद्या परिषद् सल्ट महादेव जिला-पौडी गढवाल (उ० प्र०)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
६१.	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र महाविद्यालय संस्थान इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य नव्यव्याकरण, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन, कर्मकाण्ड, वेद)
६२.	श्री वटुकानाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-२२/१९५, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी-२२१०१०	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम-द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
६३.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, उत्तर प्रदेश	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
६४.	श्री बिल्वेश्वर संस्कृत महाविद्यालय, बिल्वेश्वर, पो० सिलयर, जिला०-मामर टिहरी गढ़वाल (उ० प्र०)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
६५.	श्री महर्षि कण्व संस्कृत विद्यालय, उदयरामपुर, कोटद्वार, गढ़वाल, उ० प्र०	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
६६.	श्री टीबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली-उ० प्र०	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
६७.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पवरी गोहनिया, पो.ओ. जंसरा, इलाहाबाद	प्राक्शास्त्री-प्रथम द्वितीय शास्त्री-प्रथम द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण)
६८.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय पी-ओ. कौधियार, इलाहाबाद (उ० प्र०)	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम द्वितीय (साहित्य व्याकरण)
६९.	देववाणी संस्कृत विद्यालय पो० आ० त्रियुगी नारायण, चमोली (उ० प्र०)	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
७०.	ज्वालपादेवी संस्कृत महाविद्यालय, ज्वालपा देवी मन्दिर पौड़ी गढ़वाल	शास्त्री—प्रथम, द्वितीय, तृतीय
पश्चिम बंगाल		
७१.	पगलानन्द संस्कृत महाविद्यालय दौरा पो० (कंटई) जिला-मिदनापुर पश्चिम बंगाल—७२१५०१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
७२.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय ७/२ पी. डब्ल्यू. डी. रोड, कलकत्ता-७०००३५	प्राक्शास्त्री—प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय विद्यावारिधि
७३.	ठाकुर गदाधर विद्यापीठ, पो० आरामबाग (कालीपुर) जिला हुगली (पश्चिमबंगाल)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री,-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य, नव्यन्याय)

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
७४.	कालियाचक विक्रम किशोर संस्कृत विद्यालय विद्यालय, गांव—कालियाचक पोस्ट ऑफिस हेरिया जिला—मिदनापुर (पश्चिम बंगाल)—७२१४३०	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, धर्मशास्त्र, व्याकरण, सांख्य योग, नव्य न्याय वेदान्त)
७५.	मदर उषा मैमोरियल सैन्ट्रल इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सैन्टर (मिनोरिटी इंस्टीट्यूट) गांव—वामनी गांव, पोस्ट ऑफिस (बैंकीदंगा) जिला—उत्तर प्रदेश (पश्चिम बंगाल)	प्रथमा प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्व मध्यमा—प्रथम, द्वितीय
७६.	भारतीय चतुष्पाठी श्री श्रीगुरु करुणा निकेतन, अम्पुलिया पारा, नवद्वीप, नादिया, (प० बंगाल)	प्रथमा— प्रथम पूर्वमध्यमा—प्रथम
७७.	विवेकानन्द वेद विद्यालय, रामा कृष्ण मठ, पो० ओ० वेलूर मठ जिला हावराह (पश्चिम बंगाल)—७११२०२	पूर्व मध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तर मध्यमा प्रथम, द्वितीय

विद्यावारिधि पाठ्यक्रम के लिए संबद्ध संस्थाओं की सूची

१. पूर्णप्रज्ञा संशोधन मन्दिर
पूर्णपज्ञा विद्यापीठ, पूर्णपज्ञा नगर
कठारीगुप्पा मेन रोड, बंगलोर-५६००२३

२. हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ,
पी०ओ० बघोला, तहसील-पलवल,
जिला फरीदाबाद (हरियाणा)

३. अकेडमी शोध संस्था
मेलकोट-५७१४३१, (कर्नाटक)

४. कुप्पुस्वामी शास्त्री शोध संस्था
८४, थेरु वी, का, रोड (रोयनपेत्ताह हाई रोड)
मैलापुरु मद्रास-६००००४

५. श्री महावीर विश्व-विद्यापीठ
पश्चिम विहार, नई दिल्ली-११००६३

६. वेद संस्थान,
सी-२२, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली-११००२७

७. श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
७/२, पी. ओ. डी. रोड, कलकत्ता-७०००३६

८. सोशल हारमोनी शोध अक्षरधाम सेन्टर
जे. रोड सेक्टर-२०, गान्धी नगर,
अहमदाबाद-३८२०२०

९. शिव भारती शोध
जंगमवदी मठ, जंगमवदी,
वाराणसी-२२१००१ (यू.पी.)

१०. जे. एन. बी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
पी. ओ.-लगमा (आर० बी० पुर वाइया- लोहना रोड,
दरभंगा (बिहार) ८४७४०७

११. राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ,
कोलहंता पटोरी, पी० ओ० पटोरी बसन्त
जिला दरभंगा-८४६००३

संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाली संघ एवं राज्य सरकारों के नामों की सूची

१.	नं० ६/१२/७१ (डी) कैबिनेट सचिवालय कार्मिक विभाग, भारत संरकार, नयी दिल्ली	१-प्रथमा	=	मिडिल स्कूल
		२-मध्यमा	=	उच्चतर माध्यमिक
		३-शास्त्री	=	बी.ए.
		४. आचार्य	=	एम.ए.
		५. शिक्षाशास्त्री	=	बी. एड
		६. विद्यावारिधि	=	पी-एच. डी.
		७. वाचस्पति	=	डी. लिट्.
२.	मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग नं० ७२५/७१६१(३)/७२ भोपाल, दिनांक ५.१२.१९७२			वही
३.	पंजाब सरकार, नं० ४७२-४६८-II ७२२६८६ दि० जनवरी १९७१			वही
४.	शिक्षा निदेशक मणिपुर ११/८/७१ एस ई दिनांक ३० अगस्त १९७२			वही
५.	शिक्षा निदेशक दिल्ली एफ-३२/१२५/शिक्षा/७२ दिनांक २९-१-१९७२			वही
६.	गोआ, दमन और दीव, विशेष/स्थापना/२६६५-११ दिनांक २३ अक्टूबर १९७२			वही
७.	तमिलनाडु सरकार, ज्ञापन सं० ९४१२०/एच-१७२, २ शिक्षा दिनांक—२ जनवरी, १९७३ पत्र संख्या-एल. डिस ३५०३३/०४	शिक्षाशास्त्री	=	बी. एड.
		प्रथमा	=	मिडिल स्कूल
		उत्तरमध्यमा	=	उच्चतर माध्यमिक
		पूर्वमध्यमा	=	मैट्रिक

८.	महाराष्ट्र सरकार-८२/दि० २४-९-८२ अनुरोध सं०-एस. एस. एन. ३२७१/१५७४२७-ई दिनांक २३ अक्टूबर १९७२	उत्तरमध्यमा	=	सीनियर स्कूल, सर्टिफिकेट प्राक्शास्त्री
९.	उत्तरप्रदेश सरकार सं० १०/२/१२१९	प्रथमा	=	मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा)
	नियुक्ति (४) लखनऊ	पूर्वमध्यमा	=	हाईस्कूल
	दिनांक २७ अगस्त १९७३	उत्तरमध्यमा	=	इन्टरमीडिएट
		शास्त्री	=	बी. ए.
		आचार्य	=	एम. ए.
		शिक्षाशास्त्री	=	बी. एड.
		विद्यावारिधि	=	पी.एच.डी.
		वाचस्पति	=	डी. लिट्
१०.	हरियाणा सरकार सं० २१८, जी शिक्षा	प्रथमा	=	मिडिल—VIII
	(एस ई) ७४/१४६२० चंडीगढ़ दिनांक १३-५-७४	मध्यमा	=	हायर सकैंडरी या इंटरमीडिएट
	ज्ञापन संघ-डी ४/५०-७३-सी ओ (२)	शास्त्री	=	बी.ए.
	दिनांक १२-२-१९८६	आचार्य	=	एम.ए.
		शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड
		विद्यावारिधि	=	पी-एच.डी.
		वाचस्पति	=	डी. लिट्
		शिक्षाशास्त्री	=	ओ. टी.

संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालयों के नामों की सूची

१. महाराजा सायाजीराव विश्वविद्यालय, पत्र सं० एसी/११/२२१ दिनांक ३०-६-९३

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

२. सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं० सामान्य/मान्यता/९७४ दिनांक १६.६.७८

मध्यमा	=	इंटरमीडिएट
शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

३. विक्रम विश्वविद्यालय प्रशासन/मान्यता/७३ दिनांक १ अगस्त १९७३

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.
शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड.
विद्यावारिधि	=	पी.एच.डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्

४. आन्ध्र विश्वविद्यालय पत्र सं० १ (६) ३९२५/७२ दिनांक २७-९-९३

शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड

५. राजस्थान विश्वविद्यालय संदर्भ सं० एफ-४-१/७२ (शैक्षिक-११/११४६/ए दिनांक २५-५-७३ जयपुर

शास्त्री	=	बी.ए.

६. कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं० जी ए (डी ४) ८९९/७२ दिनांक २८-११-१९७३

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

विद्यावारिधि	=	पी-एच० डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्.

७. श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय आर. ओ. सी. संख्या-सी. आई. ३३०१७/७३ दिनांक १२-१२-७३

शास्त्री	=	बी. ए.
आचार्य	=	एम. ए.

८. मगध विश्वविद्यालय पत्र सं० ४७६७ ४८-२३ डी ११/बोधगया दिनांक ४-१२-७३

मध्यमा	=	हायर सेकेण्डरी
शास्त्री	=	बी. ए.
आचार्य	=	एम. ए.
शिक्षाशास्त्री	=	बी. एड.
विद्यावारिधि	=	पी-एच-डी.

९. जम्मू विश्वविद्यालय पत्र संख्या-एफ. शैक्षिक V/१५३/७४/४/९५-९९ दिनांक १४-२-१९७४

मध्यमा	=	पूर्व विश्वविद्यालय
शास्त्री-भाग-१	=	बी. ए. भाग—१
शास्त्री-भाग-३	=	बी. ए. अंतिम वर्ष
आचार्य	=	एम. ए. संस्कृत या साहित्याचार्य

१०. अन्नामलाई विश्वविद्यालय एल. डिस्. पी-बी २१/८३/७३ दिनांक २२-२-१९७४

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

११. बर्दवान विश्वविद्यालय आर. सी. आई/समानार्थक/१४१/३७६१७४ दिनांक २४-६-७४

मध्यमा	=	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम
शास्त्री	=	कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्षीय)
आचार्य	=	एम. ए.
विद्यावारिधि	=	पी-एच. डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्.

१२. कानपुर विश्वविद्यालय पी एस के बी/बोर्ड/४३१८/७४-७५ दिनांक २२-११-७४

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

१३. उत्कल विश्वविद्यालय पत्र सं० ए सी- १/आर. एम./१७१/५१०४६/७५ दिनांक १-७-१९९५

शास्त्री	=	बी.ए.

(द्रष्टव्य क्रम सं० ३२ सी)

१४. पूना विश्वविद्यालय ई एल जी/समकक्षता-१०९/३९४९/दिनांक २६-४-१९७५

प्राक्शास्त्री	=	प्री-डिग्री
शास्त्री	=	बी.ए.संस्कृत
आचार्य	=	एम. ए. संस्कृत
शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड.संस्कृत

१५. जयपुर विश्वविद्यालय पत्र सं० ई०/३०१३ दिनांक १३-५-१९७५

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

१६. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पत्र सं० ए सी एम-११/६११५ दिनांक ६-६-१९७५ और ए सी एम/११/१३७/७/७६११००० दिनांक ७-८-७५

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.

१७. गुजरात विश्वविद्यालय परीक्षा/बी. मान्यता सं० ३२४८२ दिनांक १७-९-१९७५

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

१८. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् पत्र संख्या-एफ. ३६/ओईन ३१/संस्कृत/२२७२१ दिनांक २३-१२-७४

प्रथमा	=	मिडिल स्कूल तथा परिषद् से सम्बद्ध विद्यालयों में नवीं कक्षा में प्रवेश हेतु।

१९. केरल विश्वविद्यालय पत्र सं० सी-३/७२०/७६ जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक २२-३-७६

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

२०. विश्वभारती पत्र सं० जी-४-४३ दिनांक २३-४-७६

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.
विद्यावारिधि	=	पी-एच. डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्.

२१. भारतीय विश्वविद्यालय संघ पत्र सं० ई वी—११९२२/७६/३२७३५ दिनांक ७-२-७६

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

२२. हिमाचलप्रदेश विश्वविद्यालय पत्र सं० १२/१३/७२ एच पी यू (शैक्षिक) दिनांक १९-१२-७७

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.
विद्यावारिधि	=	पी-एच. डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्.

२३. दिल्ली विश्वविद्यालय पत्र सं०-१/मान्यता/डी/८४ दिनांक १४-११-८४

शास्त्री	=	(बी.ए. पासकोर्स) एम. ए. संस्कृत में प्रवेश के लिए
आचार्य	=	एम. ए.

२४. संभलपुर विश्वविद्यालय पत्र सं० ११७२७/शैक्षिक-दिनांक ४-५-७९

शास्त्री	=	बी.ए. (एम. ए. संस्कृत में प्रवेश हेतु)

२५. श्री कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र संख्या-९३५६७४ दिनांक ४-१०-७४

मध्यमा	=	मध्यमा
शास्त्री	=	शास्त्री
आचार्य	=	आचार्य
शिक्षाशास्त्री	=	शिक्षाशास्त्री
विद्यावारिधि	=	विद्यावारिधि
वाचस्पति	=	विद्या वाचस्पति

२६. कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़ पत्र सं०-मान्यता/के- १०८/शैक्षिक/१५०४ दिनांक १२-७-७९

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

२७. गुरुनानक देव विश्ववद्यालय अमृतसर पत्र सं० सामान्य/मान्यता/३९२० दिनांक २२-४-१९८०

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.

२८. मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं० सी आर-III/मान्यता /१९२५ दिनांक १७-३-१९८०

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.

(यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)

२९. पंजाब विश्वविद्यालय पत्र सं० एस-१६८८१ दिनांक २८-११-१९८०

प्रथमा	=	प्राज्ञ
मध्यमा	=	विशारद
शास्त्री	=	शास्त्री
आचार्य	=	आचार्य

३०. श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं० ५१६३/८४/एस.जे. एस. बी. दिनांक १०-८-८४

प्रथमा	=	प्रथमा
पूर्वमध्यमा	=	मध्यमा
उत्तरमध्यमा	=	उपशास्त्री
शास्त्री	=	शास्त्री
आचार्य	=	आचार्य
विद्यावारिधि	=	विद्यावारिधि
वाचस्पति	=	वाचस्पति

३१. बरहमपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, वरहमपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं०

५१३१/शैक्षिक-११/बी यू/८४ दिनांक १६-४-८४

शास्त्री	=	बी.ए. (पास)
आचार्य	=	एम. ए. (संस्कृत)

३२. उत्कल विश्वविद्यालय भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं० १८८२६ दिनांक ५-६-८४

आचार्य	=	एम. ए. संस्कृत

(बी.ए.स्तर तक अंग्रेजी सहित)

३३. त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू काठमांडू नेपाल पत्र सं० ३७२/८४ दिनांक १९-९-८४

प्राकशास्त्री	=	प्राक्शास्त्री
शास्त्री	=	शास्त्री

३४. संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं० जी-४५८/४०१९/७४-८५

प्राक्शास्त्री	=	प्राक्शास्त्री
शास्त्री	=	शास्त्री

३५. भोपाल विश्वविद्यालय भोपाल पत्र सं० १११२/बी यू/शैक्षिक/८५ दिनांक १५-३-८५

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.
शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड.
विद्यावारिधि	=	पी-एच.डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्.

३६. संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं० शै०-१७२२/९२ दिनांक २२-१२-९२

आचार्य	=	आचार्य
विद्यावारिधि	=	विद्यावारिधि (पी. एच. डी.)
वाचस्पति	=	वाचस्पति (डी. लिट्.)

३७. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र पत्र सं०-ए सी एम/११/१३७/९२/३२४८९ दिनांक २८-१२-९२

शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ)	=	बी.ए. (पास) टी डी सी (१० + १ + ३ योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण हो ।
शास्त्री	=	शास्त्री
आचार्य	=	एम. ए.

(यदि विद्यार्थी ने अंग्रेजी विषय के साथ बी.ए. उत्तीर्ण किया हो)

३८. मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार/शिक्षा नयी दिल्ली के पत्र सं. एफ-७-२/८३-संस्कृत- २ दिनांक ३१ दिसम्बर १९९२

शिक्षाचार्य	=	एम.एड.

३९. रवि शंकर विश्वविद्यालय पत्र सं० २९४७/ए के ए मान्यता/९० रायपुर दिनांक ३-८-१९९०

४०. मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर-इम्फाल नोटिस दिनांक ३ जनवरी १९९२

शास्त्री	=	अंग्रेजी विषय के साथ बी.ए.

४१. अजमेर विश्वविद्यालय पत्र सं० एफ १४(१९३ शिक्षा-११/यू ओ ए/९२/३४००/३५०६

दिनांक ६ फरवरी १९९२

शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड.

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

१९९९-२००० वर्षीय प्राप्तियां तथा भुगतान का विवरण

प्राप्तियां	चालू वर्ष योजनागत	चालू वर्ष योजनेत्तर	चालू वर्ष योग	पूर्व वर्ष
लेखाशीर्ष				
1. **पूर्व बकाया**				
क. हाथ में रोकड़	22427.00	139653.43	162080.43	147849.73
ख. बैंक में जमा	1561604.84	2887699.14	4449303.98	4573086.71
ग. बैंक में जमा (फोर्ड फाउंडेशन)	—	8879.93	8879.93	8879.93
घ. बैंक में जमा (पत्राचार कैसेट प्रोजेक्ट)	—	134563.60	134563.60	91494.60
2. **मन्त्रालय से अनुदान**				
अनुरक्षर	88416000.00	147200000.00	235616000.00	129239000.00
3. **विविध प्राप्तियां**				
क. पत्राचार	—	19052.00	19052.00	41743.00
ख. परीक्षा	—	595422.00	595422.00	483467.00
ग. विविध प्राप्तियां	42561.00	1693555.96	1736116.96	1179701.96
घ पू0 शि0 शास्त्री	—	1390396.00	1390396.00	1179972.50
ड.. छुट्टियों का भत्ता पेंशन अंशदान	—	43392.00	43392.00	835.00
चं. भविष्य निधि खाते से ब्याज स्थानन्तरित	—	917458.56	917458.56	2216413.44
छ. छात्रावृत्ति वापसी	—	—	—	76963.00
प्रकाशन से बिक्री				
क. प्रकाशन (मंत्रालय)	—	320736.00	320736.00	260402.00
ख. प्रकाशन (संस्थान)	—	126282.40	126282.40	283415.40
ग. लाभ	—	3470.90	3470.90	5402.65
4. **वसुलियां**				
क. आयकर	696863.00	7394319.00	8091192.00	964605.00
ख. सा0 अंशदायी भ0 निधि	1088358.00	12269030.00	13357688.00	10387568.00
ग. सामूहिक बीमा	4115.00	57677.60	61792.60	68902.48
घ. जीवन बीमा	14799.00	1118686.70	1133485.70	1056724.64
ङ. अन्य विभागों से आय	113222.00	3172131.00	3285353.00	1341081.92
च. परीक्षा शुल्क	—	88725.00	88725.00	70790.00
छ. जीवन बीमा निगम (वेतन से)	—	94563.00	94563.00	64371.00
ज़. पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (पू0)	—	14600.00	14600.00	13010.00
झ. भविष्य निधि से प्राप्तियां	—	323895.00	323895.00	—
ट. अ. जाति कल्याण कोष	12910.00	—	12910.00	3204.00
ठ. पी. एल. आई.	—	2076.00	2076.00	—
ड. जीवन बीमा निगम	—	—	—	35000.00
5. बयाना एवं जमानत	—	1000.00	1000.00	6000.00
6. पुस्तकालय एवं सुरक्षा धन	—	10550.00	10550.00	14850.00
7. छात्रकोष	13182.00	800.00	13982.00	1500.00
8. भविष्यनिधि से कर्ज	—	—	—	135000.00
9. **अग्रिम अदायगी**				
1. छुट्टी यात्रा भत्ता	3600.00	40600.00	44200.00	129700.00
2. यात्रा भत्ता	91650.00	301990.00	393640.00	316452.00
3. त्यौहार	8250.00	280570.00	288820.00	229460.00
4. वाहन	16724.00	74125.00	90849.00	88618.00
5. विविध	83600.00	975568.00	1059068.00	544563.00

भुगतान	चालू वर्ष योजनागत	चालू वर्ष योजनेत्तर	चालू वर्ष योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष				
1. वेतन एवं भत्ते	5743969.00	71221178.00	76965147.00	46419454.90
2. चिकित्सा प्रतिपूर्ति	6280.00	712510.00	718790.00	485341.50
3. यात्रा भत्ता	150862.00	1075962.10	1226824.10	1051409.30
4. छुट्टियों का भत्ता एवं पैंशन अंशदान	—	308923.00	308923.00	37704.00
5. छात्रवृत्ति (विद्यापीठ)	235512.00	2047274.00	2282786.00	1787474.10
6. छात्रवृत्ति (संस्थान)	—	1684078.12	1684078.12	1945011.00
7. **सेवानिवृत्ति लाभ**				
क. उपदान	—	422146.00	422146.00	39194.00
ख. पैंशन	—	4034519.00	4034519.00	1885087.00
ग. अवकाश का नगदीकरण	—	—	—	16850.00
8. अंशदायी/सा0भ0नि0				
क. भ0नि0 पर सं0 का अंशदान	—	162800.00	162800.00	10765.00
ख. भ0नि0 पर ब्याज	85352.00	5004947.81	5090299.81	2298216.44
9. **फुटकर**				
क. किराया एवं कर	84600.00	2040163.00	2124763.00	1363425.00
ख. अनुरक्षण एवं मरम्मत	5384.00	308598.90	313982.90	276773.00
ग. पोस्ट एवं टेलीफोन	73272.00	728084.65	801356.65	673795.43
घ. विज्ञापन	44440.00	222684.00	267124.00	405604.50
ङ. लेखन सामग्री	96113.00	619786.00	715899.00	329641.00
च. लेखा परीक्षा शुल्क	19300.00	221295.00	240595.00	227765.00
छ. बिजली एवं पानी	9987.00	633601.15	643588.15	694499.93
ज. विविध व्यय	600005.00	3962298.59	4562303.59	2863660.21
झ. वर्दियां	—	71749.00	71749.00	56792.00
ट. कानूनी व्यय	—	76225.00	76225.00	4525.00
ठ. कार	—	238006.00	238006.00	213867.00
ड. पू0 शि0 शास्त्री	—	398796.00	398796.00	252249.00
ढ. स्वर्ण जयन्ती/ सेमिनार	279505.00	—	279505.00	550983.00
10. पत्राचार कैसेट प्रोजेक्ट	—	134563.60	134563.60	55931.00
11. शास्त्र चुड़ामणि	2756966.00	—	2756966.00	1500232.00
12. विशप अभिविन्यास पाठ्यक्रम	138031.00	—	138031.00	147355.00
13. संस्कृत किताब की खरीद	938773.00	—	938773.00	924479.00
14. प्रोडक्शन संस्कृत साहित्य	3326518.00	—	3326518.00	2262085.00
15. दक्षिण कालेज पूणे	—	2200000.00	2200000.00	2200000.00
16. राष्ट्पति पुरस्कार	—	13581848.00	13581848.00	5034023.00
17. आदर्श विद्यालय	20506874.00	25370900.00	45877774.00	27618800.00
18. स्वैच्छिक संस्थायें	37477730.00	—	37477730.00	23620574.00
19. अ0 भा0 वाद विवाद प्रतियोगिता	386392.00	—	386392.00	229875.00
20. पुस्तकालय सुरक्षा धन	210.00	5800.00	6010.00	5450.00
21. छात्रकोष	11858.00	300.00	12158.00	800.00
22. एफ. डी. आर. खरीद		300051205.00	300051205.00	110502400.00
23. संस्कृत वर्ष	3348782.00	—	3348782.00	—
24. विश्व संस्कृत समारोह	60814.00	—	60814.00	—
25. एफ. डी. आर. नगदीकरण	—	105599.00	105599.00	—

भुगतान	चालू वर्ष योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
26. बयाना एवं जमानत	—	1000.00	1000.00	15.00.00
27. छात्रों को मैडल	—	—	—	1339.40
28. आचार्य छात्र को ईनाम	—	—	—	600.00
29. आयुर्वेद में पलस परीक्षा	—	—	—	17000.0
30. भ. निधि से कर्ज	—	—	—	135000.00
31. **प्रेषित राशि**				
क. आयकर	702028.00	7394319.00	8096347.00	959440.00
ख. अंशदायी/ सा. भ. नि.	1236962.00	12370066.00	13607028.00	10284954.00
ग. सामूहिक बीमा	4115.00	47550.90	51665.90	67811.99
घ. जीवन बीमा	14799.00	1123085.90	1137884.90	1036710.40
ङ. परीक्षा शुल्क	—	88725.00	88725.00	70790.00
च. अन्य विभागों को भेजा	112537.00	3171376.00	3283613.00	1341081.92
छ. पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (उड़ीसा)	—	14600.00	14600.00	13010.00
ज. भ. नि. खाते से स्थानान्तरित	—	323895.00	323895.00	—
झ. पी. एल. आई.	—	2076.00	20760.00	—
ण. वेतन से जीवन बीमा	—	94563.00	94563.00	64371.00
ट. अ.जाति कल्याण कोष	11564.00	—	11564.00	—
ठ. जीवन बीमा	—	—	—	35000.00
32. **पुंजीगत व्यय**				
क. पुस्तकालय पुस्तकें	109175.00	166326.00	275501.00	217013.00
ख. मशीन एवं साजसज्जा	21525.00	190786.35	212311.35	136670.00
ग. प्रकाशन	—	181491.00	181491.00	73277.00
घ. फर्नीचर	163061.00	496832.00	659893.00	330191.00
ङ. के. लो. नि. वि. में जमा	10000000.00	—	10000000.00	6065000.00
च. प्रयोगशाला उपकरण	—	5150.00	5150.00	167002.00
छ. कम्प्यूटर	4492041.00	—	4492041.00	91250.00
ज. स्वर्ण जयन्ती ग्रन्थमाला	—	—	—	996030.00
33. **अग्रिम**				
क. अवकाशयात्रा भत्ता	19100.00	44100.00	63200.00	129700.00
ख. यात्रा भत्ता	61650.00	269290.00	330940.00	343554.00
ग. त्यौहार	4500-00	266850.00	271350.00	288960.00
घ. वाहन	27500.00	235500.00	263000.00	65784.00
ङ. विविध	55500.00	979894.00	1035394.00	540927.00
च. गृह निर्माण	—	358000.00	358000.00	6480.00
छ. भूचाल	—	62500.00	62500.00	—
ज. चिकित्सा	—	200000.00	200000.00	1000.00
झ. वेतन	—	2275.00	2275.00	19100.00
ण. डी. ए. वी. पी.	—	—	—	10000.00
ट. अवकाश अग्रिम	—	—	—	5285.00
34. **नकद रोकड**				
क. हाथ में रोकड़	28025.00	114096.24	142121.24	162080.43
ख. बैंक में जमा	2104611.84	16403670.91	18508282.75	4449303.98
ग. बैंक में (पत्राचार कैसेट प्रोजैक्ट)	835000.00	—	835000.00	134563.60
घ. बैंक में (संस्कृत वर्ष)	151218.00	—	151218.00	—
ङ. बैंक में (फोर्ड फाउंडेशन)	—	—	—	8879.93
कुल योग	96542440.84	212253559.22	308796000.06	266262750.96

निदेशक

प्राप्तियां	चालू वर्ष योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
6. गृह निर्माण	15000.00	386012.00	401012.00	364522.00
7. चिकित्सा	—	1000.00	1000.00	2032.00
8. वेतन	2275.00	8275.00	10550.00	12125.00
9. पंखा	—	—	—	360.00
10. अवकाश का अग्रिम	—	—	—	5285.00
10. एफ. डी. आर. नगदीकरण	—	105599.00	105599.00	—
11. सावधि योजना से प्राप्त	—	30051205.00	30051205.00	110502400.00
12. पत्राचार कैसेट प्रोजेक्ट	835000.00	—	835000.00	99000.00
13. संस्कृत वर्ष	3500000.00	—	3500000.00	—
14. आयुर्वेद मे पलस परीक्षा	—	—	—	17000.00
कुल योग	96542440.84	212253559.22	308796000.06	266262750.96

अ० अ० (वित्त)

उप निदेशक (वित्त)